हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

Digital Edition
www.jharkhanddekho.com • वर्ष 02 • अंक 72 • पृष्ठ 8 • शुक्रवार 1 अप्रैल 2022 • मूल्य 2 रुपये | Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

संक्षिप्त समाचार

घर पर हुए हमले पर बोले केजरीवालः देश के लिए जान भी हाजिर

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उनके घर पर हुए हमले पर पहली बार प्रतिक्रिया दी है। केजरीवाल ने कहा, अगर बीजेपी जैसी देश की बड़ी पार्टी गुंडागर्दी करेगी, तो युवाओं में गलत संदेश जाएगा। उन्होंने कहा, केजरीवाल इम्पोर्टेन्ट नहीं है, देश के लिए जान भी हाजिर है, हमें मिलकर देश को आगे बढ़ाना है, हमने झगड़े में 75 साल खराब कर दिए।

दरअसल, दिल्ली में केजरीवाल के आवास पर बुधवार को हमला हुआ था। इस दौरान उनके घर पर लगे सीसीटीवी कैमरों और बैरिकेड को भी तोड़ दिया गया था। आम आदमी पार्टी ने बीजेपी युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं पर हमले का आरोप लगाया है।

सुविचार

मन एक भीरु शत्रु है जो सदैव पीठ के पीछे से वार करता है

● **प्रेमचंद**

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स
58,568.51–115.48 (0.20%)
निफ्टी
17,464.75–33.50 (0.19%)

दैनिक पंचांग

सूर्योदयः 06:11 ए एम
सूर्यास्तः 06:39 पी एम
तिथिः अमावस्या - 11:53 ए एम तक
नक्षत्रः उत्तर भाद्रपद - 10:40 ए एम तक
योगः ब्रह्म - 09:37 ए एम तक
करणः नाग - 11:53 ए एम तक
द्वितीय करणः किंस्तुघ्न - 11:51 पी एम तक
पक्षः कृष्ण पक्ष
वारः शुक्रवार

मोदी सरकार का बड़ा फैसला

नगालैंड, असम और मणिपुर में एएफएसपीए के क्षेत्र घटाए गए

नई दिल्ली/एजेंसी।

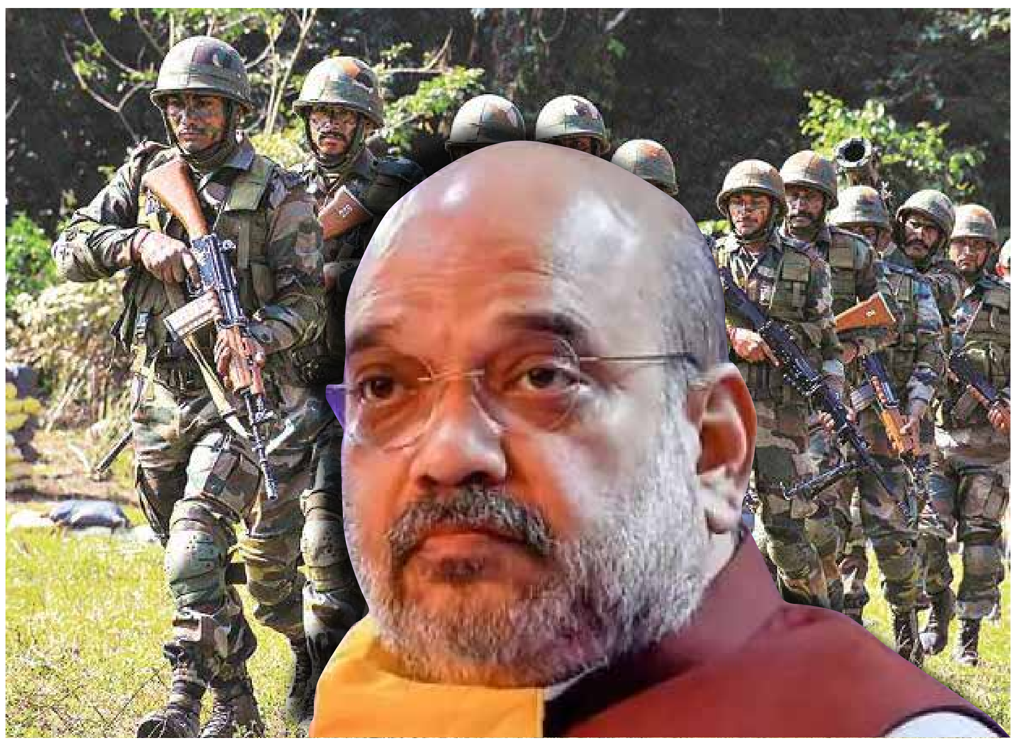

केंद्र सरकार ने नगालैंड, असम और मणिपुर में सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (AFSPA) के तहत शांत क्षेत्रों को कम करने का फैसला किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट कर ये जानकारी दी है। अमित शाह ने ट्वीट कर लिखा, भारत सरकार ने दशकों बाद नगालैंड, असम और मणिपुर राज्यों में सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (AFSPA) के तहत अशांत क्षेत्रों को कम करने का फैसला किया है। अमित शाह ने कहा, अत्रद्धढअ के तहत क्षेत्रों में कमी सुरक्षा की स्थिति में सुधार मोदी सरकार द्वारा नॉर्थ ईस्ट में स्थायी शांति लाने और उग्रवाद को समाप्त करने के लिए लगातार प्रयासों और कई समझौतों के कारण तेजी से हुए विकास का परिणाम है। दशक ों से उपेक्षित पूर्वोत्तर क्षेत्र शांति, समृद्धि और अभूतपूर्व विकास के नए युग का गवाह बन रहा है। इसके लिए पीएम मोदी को धन्यवाद। मैं इस अहम अवसर पर पूर्वोत्तर के लोगों को बधाई देता हूं। अमित शाह कहा, AFSPA के तहत क्षेत्रों में कमी सुरक्षा की स्थिति में सुधार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा उत्तर पूर्व में स्थायी शांति लाने और उग्रवाद को समाप्त करने के लिए लगातार प्रयासों और कई समझौतों के कारण तेजी से विकास का परिणाम है। अमित शाह ने पीएम मोदी को धन्यवाद देते हुए लिखा, नरेंद्र मोदी जी की अटूट प्रतिबद्धता से, हमारा पूर्वोत्तर क्षेत्र, जो दशकों से उपेक्षित था, अब शांति, समृद्धि और अभूतपूर्व विकास के एक नए युग का गवाह बन रहा है। मैं इस महत्वपूर्ण अवसर पर पूर्वोत्तर के लोगों को बधाई देता हूं।

आर्थिक तंगी से जूझ रहा श्रीलंका

राष्ट्रपति आवास के बाहर प्रदर्शन के दौरान हिंसा, 10 लोग घायल

कोलंबो/एजेंसी।

श्रीलंका में पिछले कई हफ्तों से आर्थिक संकट गहराता जा रहा है। यहां खाने-पीने और आम जरूरत की चीजों की कीमतें आसमान छू रहीं हैं। इन हालात में लोगों का विरोध बढ़ता जा रहा है। इसी बीच हजारों लोगों ने गुरुवार रात को राष्ट्रपति गोटाभाया राजपक्षे के निवास के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया। लोग पोस्टर लहराते हुए नारेबाजी कर रहे थे। इस दौरान हुई हिंसा में कम से कम 10 लोग घायल हुए हैं।

इतना ही नहीं, प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ झड़प भी हुई। हालात इतने बिगड़ गए कि स्पेशल टास्क फोर्स को बुलाना पड़ा। झड़प उस समय शुरू हुई जब पुलिस ने इन प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने की कोशिश की। लोगों ने भी पुलिस पर पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। इसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। स्थिति को नियंत्रण के बाहर जाते देख पुलिस ने वॉटर कैनन और टीयर गैस का इस्तेमाल भी किया। देश में फ्यूल और गैस की कमी हो गई है। हालात पेट्रोल-डीजल के लिए लोगों को कई घंटों तक लाइन में लगाना पड़ रहा है। एजुकेशनल बोर्ड के पास कागज और स्याही खत्म हो गई है, जिसके बाद परीक्षा अनिश्चितकाल के लिए टाल दी गई हैं। श्रीलंका में गुरुवार की शाम डीजल नहीं था, जिससे परिवहन ठप हो गया।

इसके साथ ही देश के 2.2 करोड़ लोगों को काफी लंबे समय तक बिजली की कटौती का सामना भी करना पड़ा। आलम ये है कि यहां लोगों के लिए दूध सोने से भी ज्यादा महंगा हो गया है। लोगों को दो वक्त की रोटी के लिए भी कई परेशानियों से जूझना पड़ रहा है।

श्रीलंका की अर्थव्यवस्था में टूरिज्म सेक्टर का बड़ा रोल है, लेकिन कोरोना की मार से यह पहले ही ठप पड़ा है। टूरिज्म देश के लिए फॉरेन करेंसी का तीसरा बड़ा सोर्स है। इसके कमजोर पड़ने से देश का विदेश मुद्रा भंडार लगभग खाली हो चुका है।

एलपीजी सिलेंडर आज से 250 रुपये महंगा

नयी दिल्ली/एजेंसी।

एलपीजी सिलेंडर के नए रेट आज जारी हो गए हैं। इस बार छढऋगैस सिलेंडर एक झटके में 250 रुपये महंगा हो गया है। यह वृद्धि घरेलू एलपीजी सिलेंडर में नहीं बल्कि कॉमर्शियल गैस सिलेंडर में हुई है। इसलिए घरेलू एलपीजी सिलेंडर उपभोक्ताओं को फिलहाल राहत मिली है। क्योंकि, अभी 10 दिन पहले ही घरेलू एलपीजी सिलेंडर के रेट बढ़े थे, जबकि 22 मार्च को ही कॉमर्शियल सिलेंडर सस्ता हुआ था। 19 किलो वाला एलपीजी सिलेंडर 1 मार्च को दिल्ली में 2012 रुपये में रीफिल हो रहा था, 22 मार्च को घटकर 2003 रुपये पर आ गया। लेकिन आज से दिल्ली में इसे रीफिल करवाने के लिए 2253 रुपये खर्च करने पड़ेंगे। वहीं, कोलकाता में अब 2087 रुपये के बजाय 2351 रुपये और मुंबई में 1955 की जगह आज से 2205 रुपये खर्च करने पड़ेंगे। चेन्नई में अब 2138 रुपये के बजाय 2406 रुपये लगेंगे।

बता दें लंबे अरसे बाद पेट्रोल-डीजल और एलपीजी उपभोक्ताओं को महंगाई का झटका लगना 22 मार्च से शुरू हुआ था। इस दिन बिना सब्सिडी वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर में 50 रुपये की बढ़ोतरी हुई ।

ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर कांग्रेस का हल्ला बोल

नई दिल्ली/रिपब्लिक नेशन।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी के कई अन्य सांसदों ने पार्टी के 'महंगाई मुक्त भारत' अभियान के तहत पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस और सीएनजी की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ बृहस्पतिवार को संसद के निकट धरना दिया। इस मौके पर राहुल गांधी ने कहा कि सरकार को पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों को नियंत्रित करना चाहिए और किसी भी तरह की वृद्धि नहीं करनी चाहिए, क्योंकि महंगाई की सबसे ज्यादा मार गरीबों एवं मध्य वर्ग के लोगों पर पड़ रही है।

पार्टी सांसदों ने संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही आरंभ होने से करीब डेढ़ घंटे पहले विजय चौक पर कांग्रेस के 'महंगाई मुक्त भारत' अभियान के तहत धरना दिया। इसमें राहुल गांधी के अलावा लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और कई अन्य सांसद शामिल हुए। कांग्रेस सांसदों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की।

इस धरने के बाद राहुल गांधी ने संवाददाताओं से कहा, 'महंगाई, खासकर पेट्रोल- डीजल की कीमतों में वृद्धि के खिलाफ कांग्रेस पार्टी पूरे देश में विरोध जता रही है।

रूस ने यूक्रेन में कई लैंड माइन तबाह किए

सुरक्षा देने की गारंटी नहीं ले सकते : अमेरिका

कीव/एजेंसी।

रूस-यूक्रेन के बीच आज 36वें दिन भी जंग जारी है। दोनों देशों में से कोई भी एक दूसरे के सामने झुकने के लिए तैयार नहीं है। इस बीच यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने गुरुवार को कहा कि उनकी सेना देश के पूर्व में रूसी सैनिकों को मुंहतोड़ जवाब देने की तैयारी कर रही है। ताजा जानकारी के अनुसार रूस-यूक्रेन के बीच आज एक बार फिर से शांति वार्ता की जाएगी।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव केट बेडिंगफील्ड ने कहा है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का यूक्रेन पर हमला एक 'रणनीतिक गलती' है, जिसने रूस को वैश्विक मंच पर अलग-थलग कर दिया है। बेडिंगफील्ड ने कहा कि अमेरिका को जानकारी मिली है कि रूसी राष्ट्रपति अपनी सेना द्वारा गुमराह किया हुआ महसूस कर रहे हैं, जिससे पुतिन और उनके सैन्य नेतृत्व के बीच लगातार तनाव बना हुआ है

रूस-यूक्रेन जंग के बीच अमेरिका ने साफ कह दिया है कि वह सुरक्षा की गारंटी नहीं ले सकते हैं। हालांकि अमेरिकी सरकार ने आर्थिक तौर पर मदद करने का भरोसा दिया है। वहीं रूस ने यूक्रेन में कई लैंड माइन तबाह कर दिए हैं। इससे भारी तबाही की आशंका है।

अमेरिका ने आरोप लगाया है कि रूस के कुछ अधिकारी राष्ट्रपति पुतिन को गुमराह कर रहे हैं और वास्तविक जानकारी नहीं दे रहे। अमेरिका ने कहा कि रूस की वित्तीय स्थिति सही नहीं है और इसलिए सलाहकार सच्चाई बताने से डर रहे हैं।

रूसी प्रशासन ने यूक्रेन के मैरियूपोल में युद्धविराम की घोषणा कर दी है। इसके अलावा चेर्नोबिल से भी रूसी सैनिकों की वापसी हो रही है।

हाईकोर्ट ने रतन टाटा को भारत रत्न देने की मांग वाली याचिका खारिज की

नई दिल्ली/एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को टाटा संस के पूर्व अध्यक्ष और परोपकारी छवि वाले उद्योगपति रतन टाटा को देश के प्रति उनकी सेवा के लिए, सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया। रतन टाटा को भारत रत्न देने के संबंध में एक जनहित याचिका (पीआईएल) कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी की अध्यक्षता वाली खंडपीठ के समक्ष आई थी, इसमें न्यायमूर्ति नवीन चावला भी शामिल थे। हालांकि, पीठ ने यह कहते हुए याचिका को खारिज कर दिया कि इस मामले में अदालत का हस्तक्षेप नहीं है। साथ ही कोर्ट ने याचिकाकर्ता के वकील से इसे वापस लेने को कहा, वापस नहीं लेने पर उन्हें इसके लिए परिणाम भुगतना पड़ सकता है।

आवश्यकता

झारखण्ड की उपराजधानी दुमका से संचालित 'झारखण्ड देखो' डिजिटल ईपेपर के लिए झारखण्ड के सभी जिलों से संवाददाता एवं विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है।

संपर्क करें -9955599136

Immediately Required
Franchise / Mitr Sewak
for working on following services on commission basis:-

- Amazon Easy store
- Mitr Digi Portal (AEPS, , DMT, ATM, RECHARGE, BILL PAYMENTS etc.)
- Online Bima for all major Bima Companies
- Online E-Store for E-Commerce
- Mutual fund, Tax filling, NPS, Share, Demat / online Trading
- Othere services

Registration Charges 2000+GST

Income opportunity of Rs. 40,000-60,000 with les investment

Mitr Sewa Pvt. Ltd.
Vikas Sabke Dwaar

Immediately contact

Shri : Manoj Kumar
Post : Area Manager, Mitr Sewa Foundations
Mob : 9151005283, 9006469840
Email : manoj.kumar@mitrsewa.in

संक्षिप्त समाचार

प्रधानाध्यापक से रंगदारी मांगने के आरोप में पुलिस ने तीन को किया गिरफ्तार

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के हेठकोरैया में होली फैथ निजी स्कूल के प्रधानाध्यापक सुमीम हांसदा से 50 हजार की रंगदारी मांगने वाले तीन युवकों को पुलिस ने धर दबोचा। आरोपितों में एक किशोर भी शामिल है। गुरुवार को बटेश कुमार सिंह और सामेश हांसदा को पुलिस ने जेल और किशोर को रिमांड होम भेज दिया है। वहीं फरार चार अन्य की तलाश चल रही है।

पुलिस निरीक्षक उमेश राम ने बताया कि 28 मार्च की रात सात युवक प्रधानाध्यापक के घर गए और 50 हजार की रंगदारी मांगी। धमकी दी। कहा कि पैसा नहीं मिला तो जान से मार दिया जाएगा। अगले दिन गादीकोरैया का रहने वाला बटेश सिंह उनके घर गया और 15 हजार रुपये लेकर आ गया। बाकी पैसा जल्द देने को कहा। पीड़ित ने थाना आकर घटना की जानकारी दी। तकनीक की मदद से पहले बटेश को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अन्य साथियों का नाम बता दिया। रात को दबिश देकर जामा से सामेश हांसदा और एक किशोर को पकड़ा गया। तीनों के पास से 45 सौ रुपये और तीन मोबाइल भी मिले हैं। बताया कि फरार रामगढ़ के सोनालाल, मुफस्सिल के दलेमारनी गांव के ब्रेंटियस मरांडी, गोपीकांदर के जितेंद्र राय और सोना लाल के एक अन्य साथी की तलाश में छापेमारी चल रही है। पकड़े गए सभी आरोपित के खिलाफ पहले बार किसी तरह का मामला दर्ज हुआ है। मौके पर एसआइ वीरेंद्र कुमार, अरविंद कुमार और राजेश कुमार सिंह मौजूद थे।

पुलिस निरीक्षक ने बताया कि सभी अपराधियों का सरगना दलेमारनी गांव का ब्रेंटियस मरांडी है। उसने जामा, रामगढ़ और काठीकुंड में भी करीब चार साल पहले इसी तरह से रंगदारी की मांग की थी। वर्ष 17 में उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। वह तमंचा भी रखता है।

27 सालों से फरार वारंटी गिरफ्तार,भेजा गया जेल

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। रानीश्वर पुलिस ने हकिगतपुर गांव से एक फरार वारंटी को गिरफ्तार किया है।छापेमारी कर पुलिस ने इस गांव के इकलाख खान को गिरफ्तार कर दुमका जेल भेज दिया है। बताते चलें कि इकलाख खान 27 सालों से वह फरार चल रहा था। कोर्ट से निर्गत वारंट को लेकर थाना प्रभारी संजय कुमार ने यह कार्रवाई की है।

पश्चिम बंगाल से फरार वारंटी रानीश्वर के पाथरा गांव से गिरफ्तार

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। रानीश्वर थाना पुलिस ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के मोहम्मद बाजार अन्तर्गत कापिस्टा गांव से फरार वारंटी शेख सिराज अली को पाथरा गांव से गिरफ्तार किया है। बताते चलें वधू प्रताड़ना के मामले में सिराज अली गांव से भागकर पाथरा गांव में रह रहा था। यहां एक लड़की से शादी कर लिया था। और उसके घर पर रहता था। सिउड़ी कोर्ट से निर्गत वारंट को लेकर पुलिस ने यह कार्रवाई की है।

मूल्यांकन हेतु पर्यवेक्षक के देख रेख में परीक्षा आयोजित

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। राज्य परियोजना के निर्देशानुसार दुमका जिले के जामा प्रखंड में गुरुवार को कक्षा 3 से 7 तक के मूल्यांकन हेतु पर्यवेक्षक के देख रेख में परीक्षा आयोजित की गई। इसमें पहली बार कक्षा 5 से 7 के बच्चों को ओएमआर शीट में परीक्षा देने का अनुभव प्राप्त हुआ। जबकि कक्षा तीन एवं चार को प्रश्न पत्र के आधार पर परीक्षा ली गई। इस दौरान परीक्षा का दिशानिर्देश एवं कई विद्यालयों का निरीक्षण मौके पर बीईईओ लीला कुमारी उपाध्याय के द्वारा किया गया। जबकि संकुल में सीआरपी के द्वारा परीक्षा का संचालन पर्यवेक्षक के रुप में किया गया।बीपीओ विनोद कुमार ने जामा प्रखंड में कक्षा 3 से 7 तक कस्तूरबा सहित कुल 256 विद्यालयों में 13806 बच्चे नामांकित हैं जिसमें गुरुवार को 11950 बच्चे परीक्षा में शामिल हुए ।

विधायक बसंत सोरेन ने दुमका के सदर प्रखंड अंतर्गत पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास किया

4 करोड़ 36 लाख 968 रुपए की है योजना

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। विधायक बसंत सोरेन ने दुमका के सदर प्रखंड के कई गांवों में निर्मित होने वाले पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। विधायक ने सदर प्रखड में धधकिया से कुमीरछल्ला तक एवं राजबान्ध आहारघुटू जामकांदर आरसीसी रोड भूडू टोला होते हुए राजबान्ध नृत्यकला अखाड़ा भवन तक पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास शिलापट्ट का अनावरण कर किया। मौके पर विधायक ने कहा कि वे ग्रामीणों की समस्याओं को दूर करने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की समस्याओं को दूर करने के लिए एकजूट रहें। अपनी समस्याओं को बेझिझक बताएं। ताकि सभी समस्याओं को दूर किया जा सके। उन्होंने कहा कि लोग हमसे जुड़े और क्षेत्र का विकास

कराने में हमारा साथ दें।इसी क्रम में विधायक सोरेन ने अपने संबोधन में कहा कि पूरे दुमका विधानसभा क्षेत्रों में अधूरे विकास कार्य को पूरा करना उनकी पहली प्राथमिकता है। राज्य के वर्तमान सरकार सड़क, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा व बिजली के क्षेत्र में सुधार एवं युवाओं के रोजगार के प्रति वे कृत संकल्पित है। उन्होंने कहा कि पिछले साल लॉकडाउन एंव कोरोना जैसी महामारी की वजह से विकास की गति में कमी आई थी। अब कोरोना जैसी महामारी से निपटने में झारखंड सरकार बहुत हद तक काबू पा लिया है।अब विकास की गति को तेज गति से आगे बढ़ाना है। साथ ही सरकार की योजनाओं की जानकारी देते हुए उसका लाभ लेने के लिए आगे आने की अपील की।मौके पर कार्यपालक अभियंता हरेंद्र प्रसाद सिंह, शिवकुमार बास्की, निशित वरण गोलदार, दिनेश मुर्मू, जिला परिषद उपाध्यक्ष असीम मण्डल, प्रखंड दुमका से अध्यक्ष सिराजुद्दीन अंसारी, अब्दुल सलाम उपस्थित थे।

एसएसबी के द्वारा किया गया कार्य सराहनीय: विधायक

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में देश की हिफाजत देश की सुरक्षा की थीम पर आधारित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत देशभर में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों द्वारा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी उपलक्ष्य में आज गुरुवार को दुमका विधायक बसंत सोरेन की उपस्थिति में 35 वी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल दुमका के जी कंपनी के द्वारा सिविक एक्शन प्रोग्राम सामाजिक चेतना अभियांन के अंतर्गत स्थानीय नागरिकों के बीच सिंदूर डीह थाना टोगर जिला दुमका मे फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। साथ ही निशुल्क मानव चिकित्सा शिविर भी लगाया गया, जिसमें निशुल्क स्थानीय नागरिकों के बीच दवाई का वितरण किया गया। फुटबॉल प्रतियोगिता में चयनित टीम

के बीच खेल सामग्री का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक बसंत सोरेंन, प्रसासनिक अधिकारी के साथ-साथ सशस्त्र सीमा बल के डॉक्टर नवीन कुमार द्वितीय कमान अधिकारी चिकित्सा गुलशन कुमार उप कमांडेंट नरपत सिंह उप कमांडेंट फूल सिंह मीणा सहायक कमांडेंट एवं अन्य एस एस बी के कार्मिक उपलब्ध थे इस मौके पर एसएसबी के द्वारा ग्रामीणों के बीच में धोती साड़ी लूंगी रेडियो का वितरण किया गया। साथ ही स्कूली बच्चों के बीच स्कूल बैग कॉपी पेन पेंसिल आदि का भी वितरण किया गया। विधायक द्वारा कहा गया कि सुदूर इलाके में स्थित इस गांव में एसएसबी के द्वारा किया गया कार्य सराहनीय है। डीडीसी के द्वारा भी एसएसबी के द्वारा किए गए इस कार्य की सराहना की गई। उन्होंने कहा कि इससे सुदूर इलाकों में विकास की रोशनी पहुंचती है साथ ही साथ फौज की एक अच्छी छवि लोगों के बीच में जाती है इस तरह के कार्य भविष्य में भी किए जाएं जिनसे लोगों के बीच एक सकारात्मक सोच का विकास हो ।

मौके पर शिवकुमार बास्की, निशित वरण गोलदार, दिनेश मुर्मू, जिला परिषद उपाध्यक्ष असीम मण्डल, प्रखंड दुमका से अध्यक्ष सिराजुद्दीन अंसारी, अब्दुल सलाम उपस्थित थे।

खिलाड़ियों में जो प्रतिभा है वो उभरकर बाहर आ रहा : बसंत

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। विधायक बसंत सोरेन ने गुरुवार को ए टीम क्रिकेट ग्राउंड में लगभग 2 करोड़ 4 लाख रुपये लागत से बनने वाली 10 योजनाओं का पूजा अर्चना एवं नारियल फोड़कर शिलापट्ट का अनावरण किया।

इस अवसर पर विधायक बसंत सोरेन ने कहा कि खिलाड़ियों में जो प्रतिभा है वो उभरकर बाहर आ रहा है इसी को देखते हुए हमारा निरंतर प्रयास है कि खिलाड़ियों को सही अवसर मिले। खेल का मैदान मिले अच्छा प्लेटफार्म मिले। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को किसी भी प्रकार के खेलों में जाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए और उन्हें केवल एक खेल में ही नहीं बल्कि उससे अधिक खेलो को खेलने का मौका दिया जाना चाहिए।ताकि वे रुचि के

साथ अपने पसंदीदा खेल के क्षेत्र में अपना करियर बना सकें। ए टीम क्रिकेट ग्राउंड में बनने वाला पवेलियन बिल्डिग, खेल का कार्यालय,स्टोर शेड, महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों के लिए अलग से शौचालय, क्रिकेट ग्राउंड निर्माण, डीप बोरिंग, रिचार्ज पिट, आरसीसी स्टॉर्म वॉटर ड्रेन, ग्राउंड के लिए स्प्रिंकलर सिस्टम, बाउंड्री वॉल पार्किंग आदि की व्यवस्था होगी।मैदान के रखरखाव के लिए खेल संघों की ओर से कमेटी गठित कर देख रेख किया जाएगा।मौके पर विधायक बसंत सोरेन, जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष विजय कुमार सिंह, कार्यपालक अभियंता उदय चंद्र सिंह, सहायक अभियंता उमेश श्रीवास्तव, जूनियर इंजीनियर राकेश सिन्हा, पथ निर्माण विभाग कार्यपालक अभियंता हरिंदर सिंह,डीएसओ कैलाश राम, जिला संघ के मीडिया प्रभारी गोविंदा तिवारी, रवि यादव, शबनम खातून, कृष्णा देवी, शिबू चक्रवर्ती, संवेदक नवीन कुमार सिंह,उपस्थित थे।इस उद्घाटन से क्रिकेट के खिलाड़ियों में काफी उत्साह है,टर्फ विकेट में खिलाड़ियों को खेलने से राज्यस्तर तथा राष्ट्रीय स्तर पर आगे दुमका के खिलाड़ी भी खेल सकते है, जैसे रांची जमशेदपुर बोकारो धनबाद चाईबासा इन जगह से खिलाड़ियों को ज्यादा अवसर मिलता है। अब दुमका में भी बेहतर ग्राउंड होगा एवं टर्फ विकेट पर खेलने का अवसर मिलेगा। दुमका के पुराने खिलाड़ियों एवं क्रिकेट प्रेमियों ने खुशी जाहिर की जिसमे मुख्य रूप से जिला सचिव भास्कर अजीत सिंह, ललित पाठक संजय तिवारी, डॉ तुषार ज्योति, प्रदीप मिश्रा, बादल चटर्जी, सुरेश मोदी ,अंजनी शरण, विपिन मोदी, उमेश राउत, राजा पाल एवं अन्य लोग शामिल थे।

छात्रों ने जलाया मुख्यमंत्री का पुतला

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। संताल परगना महाविद्यालय दुमका के समीप छात्र समन्वय समिति दुमका के द्वारा धनबाद जिला के दो छात्रा टुंडी बड़बाद के ममता सोरेन एवं जोरापोखोर के नाताशा अजमेरी की निर्वस्त्र कर गला दबाकर दुष्कर्म चेहरे में तेजाब से जलाया हत्या किया गया जो कि बहुत ही निर्माय हत्या किया गया और झारखंड सरकार एवं पुलिस प्रशासन इस संवेदनशील मामले में चुप्पी साधी बैठे हैं ।अभी तक दोषी बलात्कारी अपराधियों के ऊपर कोई करवाई गिरफ्तारी नहीं हुई है! जिसके विरोध में मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया गया ताकि सरकार इस सनसनीखेज मामले में जगन्य अपराध करने वालों के ऊपर तुरंत कानूनी कार्रवाई करने का आदेश पुलिस प्रशासन को दिया जाए और उन अपराधिक बलात्कारियों को पुलिस प्रशासन यथाशीघ्र गिरफ्तार कर जेल भेजा जाए और फांसी की सजा दिया जाए ताकि आने वाले दिनों में ऐसे निर्भय हत्या अपराधिक कांड करने से पहले हजारों बार सोचने के लिए मजबूर हो जाए और ऐसे और इस तरह की अपराधिक घटनाओं से हमारे समाज एवं झारखंड प्रदेश तथा देश में बलात्कारी घटना सुनने या देखने को नहीं मिलेगा मिलेगा । छात्र समन्वय समिति झारखंड सरकार एवं धनबाद पुलिस प्रशासन से मांग करती है यदि 24 घंटा के अंदर बलात्कारियों दरिंदो दोषियों को गिरफ्तारी नहीं करती है तो राज्य के समस्त छात्रों कोने कोने से उग्र आंदोलन के लिए बाध्य हो जाएंगे।मौके पर श्यामदेव हेंब्रम, राजीव बास्की , राजेन्द्र मुर्मू , नथानियाल किस्कू , ठाकुर हांसदा, हरेंद्र हेंब्रम , रीतेश मुर्मू, राजीव हांसदा , रूपलाल मुर्मू , समेश किस्कू , अरनेश हेंब्रम , बेटका सोरेन , बिनोद मुर्मू , रंजीत किस्कू , निर्मल सोरेन, समुएल मुर्मू आदि ।

पोषण सखियों ने विधायक आवास का किया घेराव

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। पोषण सखियों ने शिकारीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक नलिन सोरेन के शिवतला स्थित आवास का घेराव कर धरना दिया। इसमें शिकारीपाड़ा, काठीकुंड, रानीश्वर व गोपीकांदर प्रखंड के पोषण सखी शामिल हुई। सभी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व सरकार के खिलाफ नारे भी लगाए। सरकार को अल्टीमेटम देते हुए कहा कि पोषण सखियों को उनके पद पर फिर से बहाल किया जाए। ऐसा नहीं होने पर संघ उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगा। सरकार ने पोषण सखियों के साथ छल किया है। चुनाव के समय किए गए अपने वादे से पीछे हट रही है। सरकार एवं विभाग के विरुद्ध न्यायालय की शरण में भी जाने को तैयार है। एकमत होकर कहा कि मांगों के पूरा होने तक चुपचाप नहीं बैठेंगे और सरकार को हमारी जायज मांगों के समक्ष झुकना ही पड़ेगा।

फूलो झानो मेडिकल कॉलेज में बिजली-पानी की दिक्कत

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। फूलो झानो मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई कर रहे छात्र-छात्राओं को मूलभूत समस्याओं से जूझना पड़ रहा है. इस मेडिकल कॉलेज में बिजली-पानी का संकट समेत अन्य तरह की समस्याएं है. समस्याओं के समाधान को लेकर सैकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राओं ने 31 मार्च को डीसी रविशंकर शुक्ला से समाहरणालय में मुलाकात की. डीसी ने छात्र-छात्राओं से कहा कि समस्याओं का समाधान मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ही कर सकता है, मैं सिर्फ तात्कालिक समाधान कर सकता हूं. इस संबंध में मेडिकल कॉलेज प्रबंधन का कहना है कि समस्याओं का समाधान सरकार के स्तर से ही किया जा सकता है. गर्मी के मौसम में जलस्तर नीचे चले जाने से घंटों मोटर चलाने के बाद भी पानी ऊपर की ओर नहीं आता. पानी के अभाव में छात्र-छात्राओं को पेरशानी हो रही है. छात्र-छात्राओं का कहना है कि मेडिकल कॉलेज में लैब की व्यवस्था नहीं है. लैब की सुविधा नहीं मिलने पर पढ़ाई में दिक्कत हो रही है. 2 दिनों के अंदर समस्याओं का समाधान नहीं होने पर छात्र-छात्राएं अनिशिचतकालीन धरना शुरू करने की चेतावनी दी है. बता दें कि संथालपरगना में स्वास्थ्य सुविधा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वर्ष 2019 में इस मेडिकल कॉलेज की स्थापना की गई थी।

घंटी आधारित अनुबंध सहायक प्राध्यापकों को मिला सेवा विस्तार: अध्यक्ष

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। झारखंड के सभी विश्वविद्यालयों के स्नातकोत्तर विभागों तथा अंगीभूत महाविद्यालयों में कई वर्षों से सेवारत घंटी आधारित अनुबंध सहायक प्राध्यापकों को पुनः मिला छः माह का सेवा विस्तार । कल के कैबिनेट बैठक में 30.09.2022 तक सेवा विस्तार को स्वीकृति प्रदान की गई। झारखंड सहायक प्राध्यापक अनुबंध संघ के प्रदेश संरक्षक डॉ०एस०के०झा ने सरकार के इस निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि सभी शिक्षकों में हर्षोल्लास की भावना है, परंतु वर्ष 1978,1980 तथा 1982 में तात्कालिक रुप से नियुक्त शिक्षकों के रेगुलराइजेशन हेतु विश्वविद्यालय ने स्टेच्युट बनाया था। झारखंड सरकार ने 2017 -18 में सेंक्शन सीट पर यूजीसी रेगुलेशन के तहत अर्हता प्राप्त अभ्यर्थियों का चयन कुलपति महोदय की अध्यक्षता में गठित चयन समिति के द्वारा किया है,जिनकी कुल संख्या राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में लगभग 900 है। परंतु सरकार ने आज तक हमारी मांग को पूरा नहीं किया।विदित हो कि राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में जेपीएससी से हो रही बैकलॉग तथा रेगुलर नियुक्ति के बाद भी लगभग 1700 सेंक्शन सीट तथा 4181 अतिरिक्त सीट यानी 5881 पद आज भी रिक्त है। हमारे राज्य में छात्र : शिक्षक अनुपात 1:60 है, परंतु धरातल पर यह अनुपात चौंकाने वाला है। ऐसे में इन शिक्षकों के हितार्थ रेगुलराइजेशन हेतु स्टेच्युट बनाया जाना समय की मांग है।सिद्धू कान्हू मूर्मू विश्वविद्यालय दुमका सहायक प्राध्यापक अनुबंध संघ के अध्यक्ष डॉ०कुमार सौरभ ने कहा कि हमारे राज्य में 13 वर्षों में एक बार असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति होती है। ऐसी स्थिति में वर्तमान में कार्यरत घंटी आधारित अनुबंध सहायक प्राध्यापकों को यूजीसी रेगुलेशन के अनुसार ग्रेड पे या ग्रौस सैलरी के साथ रेगुलराइजेशन हेतु स्टेच्युट बनाने का कार्य करवाने की कृपा की जाय।संघ के सचिव प्रो होरेन हांसदा ने कहा कि इस आशय का मांग पत्र कुलाधिपति सह राज्यपाल तथा मुख्यमंत्री को भी सौंपा गया है।संघ अपने इस मांग पत्र को अब कुलपति महोदय तथा कुलसचिव महोदय को भी सौंपने पर विचार कर रहा है। सरकार द्वारा सेवा विस्तार करने पर बधाई देते हुए कहा कि वर्तमान सरकार उच्च शिक्षा के प्रति काफी सजग और सक्रिय है। हमसभी शिक्षक उच्च शिक्षा के जीईआर रेट में सुधार करने तथा उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए हमेशा प्रयासरत हैं और रहेंगे।सेवा विस्तार के सरकार के इस फैसले का संघ के पदाधिकारियों यथा डॉ यदुवंश यादव, डॉ अविनाश हांसदा, डॉ प्रसेनजित दास, प्रो निर्मल मुर्मू आदि ने मुख्य रूप से स्वागत किया है।

सिदो-कान्हु मुर्मू विवि के दीक्षांत समारोह पर खर्च होंगे 34 लाख रुपये, सिंडिकेट की बैठक में लगी मुहर

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। सिदो-कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय के छठा दीक्षांत समारोह पर 34 लाख रुपये खर्च किया जा सकेगा। बुधवार को सिंडिकेट की बैठक में इस प्रस्ताव पर मुहर लग गई है। हालांकि, सिंडिकेट की बैठक में यह मामला गौण रह गया कि आखिर विश्वविद्यालय बैकलाग को खत्म करने के बजाय फ्रेश बैच को ही सिर्फ दीक्षांत समारोह का हिस्सा क्यों बनाना चाह रही है। पूर्ववर्ती सत्रों के छात्रों द्वारा लगातार उठाए जा रहे इस मुद्दे को सिंडिकेट की बैठक में नहीं रखा गया। कुछ सदस्यों ने महज इस बात पर जोर दिया कि अधिक से अधिक छात्रों को दीक्षांत समारोह में शामिल किया जाना चाहिए। उन्हें इसके जरिए ही डिग्री प्रदान किया जाना चाहिए। जानकारी के मुताबिक सिंडिकेट सदस्य डा. सुरेंद्र झा ने इस बात पर जोर दिया कि दीक्षांत समारोह में अधिक से अधिक छूटे हुए छात्रों को शामिल किया जाना चाहिए। डा. सुरेंद्र के इस सुझाव का बड़हरवा कालेज के प्राचार्य डा. सुधीर कुमार सिंह समेत कई सदस्यों ने समर्थन दिया। इससे इतर सिंडिकेट की बैठक में किसी भी सदस्य ने यह मामला नहीं उठाया कि जिसके लिए दीक्षांत समारोह का आयोजन होने जा रहा है। यदि उन छात्रों को ही डिग्री प्रदान नहीं किया जा रहा है तो आखिर इतनी बड़ी राशि दीक्षांत समारोह के नाम पर खर्च क्यों किया जा रहा है। बहरहाल, जो बातें क्षण कर सामने आ रही है उसके मुताबिक विश्वविद्यालय प्रबंधन अब तक बैकलाग खत्म करने के बजाए चालू सत्र के छात्रों को ही दीक्षांत समारोह में आमंत्रित करने की तैयारी में जुटी है। दूसरी ओर पूर्ववर्ती सत्रों के छात्र विश्वविद्यालय प्रबंधन पर यह दबाव बनाने में जुटे हैं कि उन्हें दीक्षांत समारोह का हिस्सा बनने से वंचित नहीं किया जाए। विश्वविद्यालय छात्रों के साथ यह अन्याय नहीं करे। बहरहाल, सिंडिकेट सदस्य डा. सुरेंद्र झा ने बैकलाग के सवाल पर दैनिक जागरण के संग बातचीत में कहा कि दीक्षांत समारोह में पहले बैकलाग क्लीयर किया जाना चाहिए। यही उचित निर्णय भी होगा। दीक्षांत समारोह की तैयारी के लिए कम से कम दो माह का समय चाहिए। हड़बड़ी में दीक्षांत समारोह कराया जा रहा है इससे भी ऊहापोह की स्थिति है। इधर, अब दीक्षांत सामरोह के आयोजन के तौर-तरीकों पर इंटरनेट मीडिया पर भी खूब सवाल खड़े किए जा रहे हैं। इंटरनेट मीडिया पर विश्वविद्यालय प्रबंधन की कार्यशैली पर न सिर्फ सवाल उठाया जा रहा है। बल्कि यहां तक कहा जा रहा है कि छात्रों के साथ अन्याय व शोषण करना विश्वविद्यालय प्रबंधन की कार्यशैली बन गई है।

To-Let
Second floor

1. Bedroom - 2
2. Study room -1
3. Dinning Hall
4. Kitchen

Address : Kumharpara, Kali Mandir, Dumka.
Rent -Rs. 10000 + Electricity Bill.

Contact number : 7991134302, 8969695666

संक्षिप्त समाचार

विद्यालयों में आयोजित हुआ मूल्यांकन परीक्षा

- प्रखंड में लगभग 11,000 सरकारी विद्यालयों के छात्रों ने लिया भाग
- कक्षा तीन से सात तक आयोजित हुआ परीक्षख

हिरणपुर (पाकुड़) । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। प्रखंड के सभी सरकारी एवं सहायता प्राप्त विद्यालयों में कोरोना काल के लंबे समय के उपरांत आयोजित हुआ मूल्यांकन परीक्षा। जिसमें कक्षा तीन से चार में लगभग 4841 और कक्षा 5 से 7:00 तक में 6159 छात्रों ने मूल्यांकन परीक्षा में भाग लिया।

इस संबंध में प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी किशन कुमार ने बताया कि कक्षा तीन से चार तक के छात्र प्रश्न पत्र सह उत्तर पुस्तिका में 40 40 प्रश्नों का उत्तर देंगे वही कक्षा 5 से 7 तक के छात्र ओ. एम. आर. पर। जिसमें कक्षा 5 के लिए 40 प्रश्न होगा तथा कक्षा 6 से 7:00 तक में कुल 5050 प्रश्न होंगे जिसका ओ एम आर सी बाहर भेजा जाएगा।

जल जीवन मिशन के तहत जल गुणवता जागरूकता रथ किया रवाना

जसीडीह/ (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। जल जीवन मिशन के तहत हर घर में शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार यादव ने हरी झंडी दिखाकर प्रखंड मुख्यालय देवघर से जागरूकता रथ किये रवाना। प्रखंड विकास पदाधिकारी देवघर जितेंद्र कुमार यादव ने बताया कि देवघर प्रखंड अंतर्गत चयनित 15 पंचायतों के सभी गांव में जागरूकता रथ घूम- घूम कर प्रचार प्रसार करेगा लोगों को जागरूक करेगा ।इस जागरूकता रथ को घुमाने का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को इस मिशन के बारे में बताना कि जिला एवं जिला जल एवं स्वच्छता प्रमंडल देवघर के सौजन्य से हर घर में नल से जल पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। ज शंकरी, सरसा, मानिकपुर, अंधरी गादर नवाडीह संग्राम लोढिया, महतोडीह उदयपुरा, मसनजोरा, पिछड़ीबाद, खसपैका , बसवरिया, गौरीपुर आदि पंचायत सम्मिलित हैं ।मौके पर बीटीएम शशांक शेखर, जेएसएलपीएस वशिष्ठ कुमार सिंह ,प्रखंड समन्वयक रामस्वरूप यादव , महेंद्र दास ,वासुकी दास, इंदर रावत, साजन पांडे, सुनील कुमार, राहुल कुमार , नगाम किस्कु ,सुशील हेंब्रम ,बहादुर वर्मा, अरविंद सिंह सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे ।

खड़ी पिकअप भैन मे टकरायी मोटर साइकिल सवार, हुआ घायल

जसीडीह/(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)।जसीडीह देवघर मुख्य सड़क डाबरग्राम के पास सड़क पर खड़ी पिकअप भैन मे एक मोटरसाइकिल ने मारी टक्कर मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति हुआ घायल स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने घायल मोटरसाइकिल सवार को इलाज के लिए जसीडीह सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भेजा।जानकारी के अनुसार डाबरग्राम के पास टाइल्स लदा पिकअप भैन खराब होने से सड़क पर खड़ी थी उसी दौरान देवघर की और से एक ग्लैमर मोटरसाइकिल दो व्यक्ति सवार आ रहा था तो विपरित दिशा कि ओर से तेज रफ्तार आ रही वाहन के चलते पिकअप भैन मे टकरा गया।घायल व्यक्ति का नाम मिथिलेश कुमार और निरज कुमार नगर थाना क्षेत्र के बेलाबगान का रहने वाला बताया जा रहा है।घटना की जानकारी पुलिस को मिलते ही घटनास्थल पर एस आइ रूपेश कुमार सदल बल के साथ पहुंचा और घायल व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया और दोनों वाहन को जब्त कर लिया।

उर्स मेला को लेकर हुई थाना कार्यालय में बैठक

सारठ। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। थाना के सभागार में आज अंचलाधिकारी वैभव कुमार सिंह की अध्यक्षता में उर्स मेला को लेकर एक विशेष बैठक आयोजित की गई जिसमें विशेष रूप से उर्स मेला में काटी जा रही रसीद को लेकर चर्चा की गई। जिसको लेकर निर्णय लिया गया कि रसीद काट रहे स्थल पर थाना की ओर से एक कर्मचारी बिठाई जाएगी, बता दें कि यह निर्णय बीती रात कमेटी के द्वारा रसीद काट रहे गड़बड़ी को लेकर लिया गया। वही मेला क्षेत्र में अत्यधिक भीड़ को देखते हुए गाड़ी पार्किंग की व्यवस्था ,साफ- सफाई ,डेकोरेशन, पेयजल, बिजली आदि को लेकर भी चर्चा किया गया।

मौके पर थाना प्रभारी रविंद्र कुमार सिंह, जेएमएम नेता इस्तियाक मिर्जा, अंचल कर्मचारी अक्षय कुमार सिन्हा, अंचल कर्मचारी आनंद विश्वकर्मा समेत कई अन्य लोग भी मौजूद थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़। उपायुक्त वरुण रंजन के निर्देशानुसार पाकुड़ जिले के दिव्यांगजनों को यूडीआईडी कार्ड बनवाने के लिए चिकित्सकों के विशेष दल द्वारा जॉचोपरांत दिव्यांगता प्रमाण पत्र निर्गत करने हेतु प्रखंडवार विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसकी तिथिवार विवरणी निम्न प्रकार है।

प्रखंड का नाम, शिविर की तिथि, शिविर का स्थान

1.लिट्टीपाड़ा प्रखंड में 01, 07,13, 19 एवं 25 अप्रैल 2022 को लिट्टीपाड़ा प्रखंड मुख्यालय में शिविर लगाया जाएगा।

2.पाकुड़िया 02, 08, 14, 20 अप्रैल एवं 26 अप्रैल 2022 को पाकुड़िया प्रखंड मुख्यालय में शिविर लगाया जाएगा।

3.हिरणपुर 03, 09, 15, 21, 27 अप्रैल 2022 हिरणपुर प्रखंड मुख्यालय में शिविर लगाया जाएगा।

4. अमड़ापाड़ा 04,10,16,22 एवं 28 अप्रैल 2022 को अमड़ापाड़ा प्रखंड मुख्यालय में शिविर लगाया जाएगा

5. पाकुड़ 05, 11,17,23 एवं 29 अप्रैल 2022 को पाकुड़ प्रखंड मुख्यालय में शिविर लगाया जाएगा।

6. महेशपुर प्रखंड में 06,12,18, 24 एवं 30 अप्रैल 2022 को महेशपुर प्रखंड मुख्यालय में शिविर लगाया जाएगा।

शिविर में आवेदकों को अपने साथ निम्नलिखित कागजात/ दस्तावेज लाना सुनिश्चित करायेंगे।

(क) आधार कार्ड।

(ख) राशन कार्ड/आवासीय प्रमाण पत्र।

(ग) दिव्यांग व्यक्ति का प्रभावित अंग सहित पूरा फोटो (दो प्रति)।

इस शिविर आयोजन की सारी व्यवस्थाएँ संबंधित प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी द्वारा की जायेगी। शिविर में प्राप्त आवेदनों का ऑनलाईन प्रविष्टि हेतु आवशयकतानुसार कम्प्यूटर ऑपरेटरों की प्रतिनियुक्ति प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा की जायेगी। सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को निदेश दिया जाता है कि शिविर में प्रतिदिन 500 (पॉच सौ) व्यक्तियों की जॉच अनिवार्य रूप से करायेगें।

बीडीओ ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली को किया रवाना

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़। पोषण अभियान के तहत पोषण पखवाड़ा के सफल आयोजन को लेकर लिट्टीपाड़ा प्रखंड परिसर से बीडीओ संजय कुमार ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली को रवाना किया.यह रैली प्रखंड कार्यालय परिसर से लिट्टीपाड़ा चौक होते हुए लिट्टीपाड़ा संथाली गांव से गुजरते हुए पुनः प्रखंड कार्यालय तक पहुंची।इसके जरिए गर्भवती महिलाओं/माताओं एवं बच्चों के खान पान, स्वास्थ्य एवं पौष्टिक आहार की जानकारी दी गई।पोषण अभियान के अन्तर्गत पोषण पखवाड़ा के सफल संचालन को लेकर आज लिट्टीपाड़ा प्रखंड परिसर से प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार एवं महिला पर्यवेक्षिका चंदना सिंह ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली को रवाना किया। यह रैली प्रखंड कार्यालय परिसर से लिट्टीपाड़ा चौक होते हुए लिट्टीपाड़ा संथाली गांव से गुजरते हुए पुनः प्रखंड कार्यालय तक पहुंची। प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार ने कहा कि पोषण पखवाड़ा का उद्देश्य लोगों में पोषण संबंधी जानकारी व व्यवहार परिवर्तन है ताकि कुपोषण के उन्मूलन में एक कदम आगे बढ़ा जा सके। पखवाड़े के दौरान गर्भवती माताओं को उनके खानपान की जानकारी देनी है, ताकि शिशु में कुपोषण को शुरुआती दौर में ही रोका जा सके। शिशुओं में उचित पोषण स्तर को बढ़ावा देने के लिए माताओं को स्तनपान के साथ ऊपरी आहार के महत्वों के विषय में जानकारी प्रदान करेगी। उन्होंने बताया कि पोषण जागरूकता रैली का मुख्य उद्देश्य प्रखंड को कुपोषण मुक्त करते हुए सुपोषित बनाना है। इस अभियान के माध्यम से गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को बच्चे के जन्म के छह माह तक सिर्फ मां का दूध ही पिलाने हेतु प्रेरित करना। इस जागरूकता रैली में बाल विकास परियोजना के सभी कर्मी, सभी सेविकाएं, तेजस्विनी परियोजना के प्रखंड कोऑर्डिनेटर एवं प्रखंड एवं ग्राम स्तरीय कर्मियों ने भाग लिया।

रानीपुर में शुक्रवार से आयोजित होगा 24प्रहर हरिनाम संकीर्तन

- प्रातः निकलेगी भव्य कलश यात्रा

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

हिरणपुर (पाकुड़) । प्रखंड के रानीपुर गांव में 1 अप्रैल शुक्रवार से प्रारंभ होगा 24 प्रहर हरिनाम संकीर्तन। जबकि सुबह 8:00 बजे 108 बच्चियों के द्वारा रानीपुर परगला नदी से जल भर कर रानीपुर गांव कीर्तन मंडली तक निकलेगा भव्य कलश यात्रा। तत्पश्चात शुक्रवार शाम को अधिवास के साथ प्रारंभ होगा तीन दिवसीय हरिनाम संकीर्तन।हरि नाम संकीर्तन में शनिवार लीला का कीर्तन आयोजित होगा तो रविवार वन लीला संकीर्तन जबकि सोमवार महाराश एवं मंगलवार कुंज भवन धुलोट एवं महाप्रसाद का वितरण होगा।

हरिनाम संकीर्तन के आयोजन में गांव के कैलाश सिंह , आशुतोष मंडल बोलाई मंडल, सुशील मंडल, निरंजन मंडल, जयंत मंडल, गौतम तिवारी जयदेव साहा, मोहन लाल साह, सोनू भगत, राज कुमार मंडल आदि का योगदान है।

टीवी उन्मूलन के लिए पिरामल स्वास्थ्य द्वारा टीवी चैंपियन के सहयोग से चलाया जगरूकता अभियान

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

हिरणपुर (पाकुड़) । प्रखंड के बड़ा बलरामपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से पिरामल स्वास्थ्य के द्वारा स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से टीवी के प्रति लोगों को जगरूक किया, तथा संभावीत लोगों का पहचान कर बलगम को संग्रह कर पाकुड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रयोगशाला मे जाँच के लिए दिया, जिन्हें चिन्हित कर संपूर्ण इलाज किया जायेगा। बैठक कर टीवी रोग से बचाव हेतु विस्तार पूर्वक चर्चा किया गया साथ ही साथ कोविड टिकाकरण को और गति देने के लिए लोगों को जागरूक किया, जहाँ टीवी चैंपियन बीटीमय सोरेन की मुख्य भूमिका रही इन्होंने पिरामल स्वास्थ्य के सक्रिय टीवी खोज अभियान के दौरान अपने गाव के आस पास के 10 से 15 गाव मे साइकिल द्वारा घूम घूम कर टीवी के प्रचार प्रसार करते हुए 69 संभावीत मरीजों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रयोगशाला मे जाँच के लिए भेजने मे मदत किया, जिसमे से सात सक्रिय मरीजों को हॉस्पिटल तक ले जाकर दवाई दिलाने मे सहयोग किया। एवम उनके द्वारा सात मरीजों का लगातार देखभाल करती है।मौके पर वार्ड मेंबर पकू मरांडी, प्रधान साहेब किस्कू,सहिया मयदि किस्कू, एवम पिरामल से मनोज महतो,मो सनीफ अंसारी सौरभ कुमार और टीवी - चैंपियन अंजलि हँसदा मौजूद थे।

चाइल्ड लाइन एडवाइजरी बोर्ड की बैठक आयोजित

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

हिरणपुर (पाकुड़) । आमलोगों को बाल विवाह , बाल तस्करी, मजदूरी आदि को लेकर जागरूक करना आवशयक है। गुरुवार को घाघरजानि स्थित प्रखंड कार्यालय सभागार में चाइल्ड लाइन पाकुड़ के द्वारा आयोजित प्रखंड स्तरीय चाइल्डलाइन एडवाइजरी बोर्ड की बैठक में सम्बोधित करते हुए बीडीओ उमेश कुमार स्वांसी ने कहा। बीडीओ ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रो में बाल विवाह की स्थिति अभी भी देखी जा रही है। इसमे लोगो को जागरूक करके ही रोका जा सकता है।

वही चाइल्ड लाइन के चंदन नायक ने टोल फ्री नम्बर 1098 पर विशेष प्रकाश डालते हुए कहा कि जन लोक कल्याण परिषद द्वारा संचालित चाइल्ड लाइन बाल विवाह, बाल तस्करी आदि पर अंकुश लगाने के लिए कड़ी कदम उठा रहा है। क्षेत्र में जाकर लोगो को जागरूक भी की जा रही है। किसी भी तरह का समस्या आने पर इस टोल फ्री नम्बर से सम्पर्क करें। इस मौके पर चाइल्ड लाइन टीम के समरेंद्र नायक, शाहीदुल्ला, उर्मिला विश्वास, श्रीनाथ भंडारी, बीपीओ अजित टुडू, पेयजल के कनीय अभियंता दिनेश मण्डल, अभिषेक गौड़ आदि उपस्थित थे।

आम जनता का जीना मुश्किल हो गया

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी को निर्देशित कार्यक्रम के आलोक में केंद्र में बैठी मूक -बधिर भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा आवशयक वस्तुओं एवं पेट्रोल - डीजल की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि के खिलाफ पाकुड़ जिला कांग्रेस कमेटी द्वारार महंगाई मुक्त भारत अभियानर के तहत 3 चरणों में होने वाले धरना कार्यक्रम का प्रथम चरण पाकुड़ सदर अस्पताल के सामने पाकुड़ जिला अध्यक्ष उदय लखवानी के नेतृत्व में संपन्न हुआ जिला अध्यक्ष उदय लखमानी ने अपने संबोधन में कहा कि बीते दिनों पांच राज्यों के चुनाव में मत लेने के लिए भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने 137 दिनों तक पेट्रोल- डीजल, गैस सिलेंडर ,सीएनजी, एवं पीएनजी की कीमतों को रोके रखा ' जैसे ही चुनाव समाप्त हुए भारतीय जनता पार्टी का दोहरा चरित्र सामने आ गया । प्रतिदिन पेट्रोल- डीजल ,गैस सिलेंडर सहित अन्य जीवनोपयोगी आवशयक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि हो रही है ,जिससे आम जनता का जीना मुश्किल हो गया है 'आने वाले चुनाव में छल से लिए गए मत का बदला देश की जनता भारतीय जनता पार्टी से अवशय लेगी' पाकुड़ जिला कांग्रेस के अन्य पदाधिकारियों ने भी बढ़ती महंगाई के खिलाफ केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर हमला बोला ' साथ ही जिला अध्यक्ष उदय लखमानी ने द्वितीय चरण एवं तृतीय चरण के धरना कार्यक्रम की भी घोषणा की' द्वितीय चरण में 2 अप्रैल 2022 पूर्वाहन 11:00 बजे पाकुड़ जिला मुख्यालय के सामने धरना एवं मार्च एवं तृतीय चरण में दिनांक 7 अप्रैल 2022 को प्रदेश मुख्यालय राज भवन रांची के सामने धरना एवं मार्च का कार्यक्रम रखा गया है' इस धरना कार्यक्रम की सफ़लता के लिए श्री उदय लखमानी ने जिला कांग्रेस, प्रखंड कांग्रेस, युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ, अन्य पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, अनुसूचित जाति -जनजाति मोर्चा, श्रमिक संघो सहित कांग्रेस के सभी अग्रणी संगठनों के पदाधिकारियो एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओ को धन्यवाद दिया, साथ ही द्वितीय एवं तृतीय चरण में होने वाले धरना कार्यक्रम में आम जनता की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धरना कार्यक्रम को सफल बनाने का हर संभव प्रयास करेंगे 'धरना सभा का संचालन स×फीकुल इस्लाम ने किया 'मौके पर जिला उपाध्यक्ष अनुप सिन्हा, जिला प्रवक्ता मुख्तार हुसैन, ची×फ इनरोलर सोनू आलम, जिला सचिव विवेक गोस्वामी, जिला सचिव कृष्णा यादव, जिला सचिव असलम अंसारी, वरिष्ठ कांग्रेसी समीनुल इस्लाम ,युवा जिला अध्यक्ष तस्लिम आरिफ,पाकुड़ प्रखंड बीस सूत्री उपाध्यक्ष मुजीबुर रहमान, एन एस यू आई अध्यक्ष सज्जाद मेहना, हिरणपुर प्रखंड अध्यक्ष मनव्वर आलम, लिट्टीपाड़ा प्रखंड अध्यक्ष मुर्शीद आलम, मोफिज अंसारी, सिराजुद्दीन, जहरुल इस्लाम, रामविलास महतो ,अरमान अली, कल्पना सिंह, मंजुला हाँसदा, जानीसर अली (जॉनी), पप्पू गंगवानी, जय मालतो आदि मौजूद थे ।

भाकपा माले ने 36 वार्ड में पानी लगातार मिले इसके लिए छेड़ा है मुहिमः राजेश सिन्हा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गिरिडीह। पानी को लेकर हाहाकार मच ना शुरू हो गया है। सिर्फ खंडोली पर डिपेंड रहने वाले नगरनिगम को सी सी एल क्षेत्र का खनता के पानी को भी ×फिल्टर कर के जनता के पास पहुचाने की व्यवस्था पर ध्यान देनी होगी। सि-र्फ अखबार के न्यूज़ से जानकारी मिलती है, बदलाव के लिए जिगर की आवश्यकता होती है जो नगरनिगम में है नहीं।

संदर्भ में जानकारी देते हुए मालय नेता राजेश सिन्हा ने कहा कि रामनवमी व रमजान सामने है वैसे तो साल भर नगरनिगम में पानी की किल्लत है,सुबह पानी मील जाय तो शाम नहीं और शाम मिल जाए तो सुबह नहीं,हद तो तब हो जाती है कि 6-6 महीने पानी नहीं मिलता है और उस वार्ड के वार्ड कमिश्नर का कोई सकारात्मक प्रयास नहीं होता है।

सिन्हा ने कहा इससे पहले झिंझ-री मुहल्ला की समस्या को माले ने आवाज उठाया था नगरनिगम काम लगा दिया है,लेकिन पानी की गारेंटी करें,तब सफल माना जाएगा।

सुबह सुबह श्री सिन्हा चदरा मोड़ और उसके आस पास वार्ड घूम रहे, 18 और 19 में पानी का घोर किल्लत है,प्रतिनिधि और अफसर को कुर्सी तोड़ने से ×फुर्सत नहीं है,जनता त्रस्त है लेकिन प्रतिनिधि सिर्फ 5 साल में मिलते है,भाकपा माले ऐसे प्रतिनिधि को भी जगा के रखना चाहता है।

नगरनिगम में जल्द होगा बड़ा आंदोलन,सफाई के नाम पर भी सि-र्फ थोपा-थोपी चलता है करना होगा बदलाव,सभी वार्ड कमिश्नर जनता को लेकर नगरनिगम में धरना करने से शहर में कार्य का विस्तार होगा।

मौके पर मुज्तबा अंसारी, फरीद अंसारी अरमान, असलम, अल्ताफ, मो फरमान, शहजाद, हसरत, अफसर, फिरोज, आरिफ, हसन आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

पेट्रोल डीजल व रसोई गैस महंगाई के विरोध में कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

साहिबगंज/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। देश में डीजल, पेट्रोल और रसोई गैस के मूल्य में हो रही अप्रत्याशित मूल्य बढ़ोतरी तथा बेतहाशा महंगाई के विरोध में गुरुवार को जिला अध्यक्ष अनुकूल मिश्रा के नेतृत्व में शहर के चौधरी कॉलोनी स्थित उनके आवासीय कार्यालय में प्रदर्शन किया गया।कांग्रेसजनों ने गैस सिलिंडर,बाइक,खाली तेल के डब्बे आदि पर माल्यार्पण कर प्रदर्शन किया तथा गैस-पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी के ×खिलाफ× मुख-बधिर भाजपा सरकार का ध्यानाकर्षण करने के लिए केंद्र सरकार के विरुद्ध जमकर नारेबाजी किया।मौके पर प्रदेश प्रतिनिधि मुर्शद अली,जिला सचिव सर×फराज× आलम,नित्यानंद गुप्ता,मो. सलाउद्दीन, सेवादल प्रमुख अल्ताफ हुसैन,गौतम झा, मो रजाउद्दीन आदि कार्यकर्ता शामिल थे।

साहिबगंज मनिहारी फेरी सेवा बंद होने से हजारों परिवार की आजीविका प्रभावित- हुलास चौधरी

साहिबगंज /झारखंड देखो/प्रतिनिधि। साहिबगंज मनिहारी फेरी सेवा के मालवाहक जहाज हादसे में गंगा में समाए ट्रक एवं लापता लोगों को खोजने के लिए एनडीआरएफ टीम की रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।नाव यातायात समिति के संयोजक हुलास चौधरी ने बताया कि कुछ नेता के गलत बयानबाजी से फेरी सेवा बंद है जबकि साहिबगंज मनिहारी अंतरराज्यीय फेरी सेवा बंद रहने से लाखों परिवार प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि गंगा हादसे में चार लोग लापता एवं पांच ट्रक गंगा में समा जाने की घटना सही है लेकिन कोई नेता इस हादसे को बढ़ा चढ़ाकर बयान दे रहे हैं जबकि घटना स्थल पर कोई भी पार्टी के नेता आज तक घटना स्थल पर नहीं आए हैं।जबकि विधानसभा में बैठे-बैठे नेता भाषण दे रहे हैं।नाव यातायात समिति में लगभग 90 परिवार हैं, वहीं स्टोन क्रशर मालिक, ट्रक आनर,खलासी,चालक , मजदूर, पानी जहाज के मालिक, कई व्यवसायी ऐसे कई लाखों लोग हैं जिसकी आजीविका इस फेरी सेवा से चलता है।उन्होंने कहा कि इस हादसे में प्रशासनिक अधिकारी का कोई दोष नहीं है सिर्फ नेता बढ़ा चढ़ाकर हादसे की बात को रख रहे हैं एक तरफ सरकार रोजगार देने की बात कह रही है और दुसरी तरफ फेरी सेवा बंद कर कई लोग को बेरोजगार कर दिया गया है।

फ्रीज फटने से लगी आग, दुकान में लाखों का हुआ नुकसान

मिर्जाचौकी /साहिबगंज /झारखंड देखो/प्रतिनिधि। मिर्जाचौकी थाना क्षेत्र के नीमगाछी गांव रोड के नजदीक एक दुकान में बुधवार की रात को फ्रीज फटने से आग लग गई। मिली जानकारी के मुताबिक बुधवार की रात को दुकान के मालिक राम लखन सा अपने दुकान को बंद कर घर चले आए थे। रात में ही बम की तरह धमाके जैसी आवाज हुई एवं दुकान में आग लग गई। दुकान के आसपास के लोग आग लगते हुए देखा तो काफी मशक्कत कर आग पर काबू पा लिया गया। दुकान के मालिक राम लखन शाह ने जब गुरुवार की सुबह आकर अपनी दुकान खोली तो देखा तो उसके दुकान का काफी सामान जल गया है। वहीं दुकानदार ने बताया कि लगभग तीन लाख रुपए का सामान जल गया है।

प्रशिक्षण प्राप्त प्रशिक्षुओं के लिए हुआ एलुमनी मीट कार्यक्रम

साहिबगंज /झारखंड देखो/प्रतिनिधि। भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान साहिबगंज के माध्यम से गुरुवार को आरसेटी के प्रशिक्षण कक्ष में प्रशिक्षण प्राप्त प्रशिक्षुओं के लिए एलुमिनि मीट कार्यक्रम का किया गया।इस दौरानअलग-अलग कार्यक्रम में प्रशिक्षु जैसे कॉस्ट्यूम ज्वेलरी उद्यमी , ब्यूटी पार्लर,कंप्यूटर अकाउंटिंग, सिलाई कटाई, अचार पापड़ निर्माण, गाय पालन, बकरी पालन ,मशरूम उत्पादन इत्यादि प्रशिक्षण प्राप्त किए प्रशिक्षुओं ने अपने-अपने कार्यकलाप साझा किए ताकि उनका मार्केटिंग और उत्पादित सामग्री के बारे में एक दूसरे तक पहुंच सके।इस कार्यक्रम का संचालन आरसेटी के वरीय प्रशिक्षक राजहंस कुमार ने किया और कहा कि जब तक लोग एक दूसरे से मिलेंगे नहीं तब तक उनका विकास नहीं होगा तथा उनके उत्पादित सामानों की बिक्री लोगों तक नहीं पहुंच सकेगी और ना ही उनका समुचित विकास हो सकता। इसी उद्देश्य से यह कार्यक्रम का किया गया ताकि लोग एक दूसरे से मिलकर उत्पादित सामानों को एक दूसरे को बताएं एवं ताकि उनका विकास हो पाए।इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से अतिथि शिक्षक सांत्वना भगत ,सीता साहा,सुनीता देवी वर्मा एवं आरसेटी के वरीय प्रशिक्षक राजहंस कुमार , प्रशिक्षक राजीव कुमार ,अमरे आनंद, नीरज शर्मा, प्रकाश कुमार एवं दूरदराज से आए हुए प्रशिक्षुगण उपस्थित थे।

महुआ चुनने के दौरान दो पक्षों में खूनी संघर्ष तीन घायल दो रेफर

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गिरिडीह । तिसरी प्रखंड अंतर्गत लोकाई नयनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बर्दोनी गांव में गुरुवार अहले सुबह महुआ चुनने को लेकर दो पक्षों में लाठी डंडा कुल्हाड़ी फर्सी से खूनी संघर्ष हुई । जिसमे प्रथम पक्ष के रामलाल यादव पिता स्व भीम यादव 55वर्ष बुधन यादव पिता महावीर यादव 60वर्षऔर दूतीय पक्ष के सांझली बास्की पति हुसैन मरांडी 45वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गया । सभी घायलों को ग्रामीणों के सहयोग से राजकीय अस्पताल तिसरी में इलाज हेतु लाया गया । इलाज के पश्चात डॉक्टर जनेंद्र ने रामलाल यादव और साँझली बास्की को गिरिडीह रेफर किया है । डॉक्टर ने कहा रामलाल यादव का बाया हाथ में किसी धारदार हथियार से मारने के कारण हाथ का हड्डी दो भागो में बट गया है । हाथ का चमड़ी और मोटी नस सही सलामत है काफी खून बहा है । सांझली बास्की का सर में गंभीर चोट है बेहतर इलाज हेतु दोनो को गिरिडीह रेफर किया गया है ।

इस संबंध में लोकाई नयनपुर थाना प्रभारी पप्पू कुमार ने बताया दोनो पक्षों के लोग घायल है दोनो पक्ष से आवेदन प्राप्त हुआ है । आवेदन के आलोक में जांच पड़ताल किया जा रहा है कानूनी कार्रवाई किया जायेगा ।

डीजल पेट्रोल और गैस के बढ़ते कीमतों के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं किया प्रदर्शन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गावां/गिरिडीह। देश मे पेट्रोल डीजल और गैस के बढ़ते कीमतों के खिलाफ गुरुवार को गावां में अखिल भारतीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने धनवार विधानसभा प्रभारी सह कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रदेश सचिव मरगूब आलम के नेतृत्व में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान मरगूब आलम ने कहा कि जब तक पांच राज्यों में चुनाव चला तब तक पेट्रोल डीजल और गैस के दामों में वृद्धि नही की गई और जैसे ही चुनाव खत्म हुआ प्रतिदिन मूल्यवृद्धि हो रहा है। लगातार हो रहे मूल्यवृद्धि से देश की जनता काफी परेशान है लेकिन भाजपा और मोदी को जनता के परेशानियों से कोई लेना देना नही है। सत्ता और कुर्सी के लिए यह सरकार देश की सम्पत्तियों को भी बेचने को तैयार है। कहा कि कांग्रेस के केंद्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी के आदेश पर पूरे देश महंगाई मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। मौके पर दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

गावां में विश्व हिंदू परिषद की बैठक आयोजित, रामनवमी पर्व को लेकर हुआ विचार विमर्श

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गिरिडीह। गांवा कालीमंडा परिषर में गुरुवार को विश्व हिंदू परिषद की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष भगवान दास बर्नवाल ने किया। बैठक में मुख्य रूप से परिषद के पूर्व जिलाध्यक्ष हंसराज पांडेय उपस्थित थे। अपने संबोधन में श्री पांडे ने कहा कि विगत दो वर्षो में कोविड के कारणों से हमलोग रामनवमी महापर्व को हर्षोल्लास के साथ नही मना सके थे परन्तु इसवर्ष भगवान श्रीराम के आशीर्वाद से हमलोगों को पुनः रामनवमी महापर्व मनाने का मौका मिला है इसलिए सभी हिंदू भाई व परिषद के कार्यकर्ताओं के द्वारा हिंदू नववर्ष को शोभा यात्रा के साथ मनाने का निर्णय लिया है जिसे हमलोग शांति और प्रशासनिक सहयोग से नव वर्ष के अवसर पर शोभा यात्रा के साथ मनायेंगे। बैठक में मुख्य रूप से हर वर्ष के भाती इस इस वर्ष भी हिंदू नव वर्ष के शुभ अवसर पर शोभा यात्रा निकालने का निर्णय लिया गया। साथ ही यह निर्णय लिया कि उक्त यात्रा में पूरे प्रखंड के हिंदू भाई सैकड़ों की संख्या में उपस्थित होंगे। शोभा यात्रा गांवा कालीमंडा से प्रारंभ होते हुए पटना , नगवा , माल्डा , खरसान आदि दर्जनों गांव का दौरा करते हुए पुनः कालीमंडा गांवा पहुंचकर कार्यक्रम का समापन किया आएगा। मौके पर हंसराज पाण्डेय, अजीत शर्मा, अजीत पांडे, विकास पाण्डेय, उपेन्द्र स्वर्णकार, अशोक यादव आदि दर्जनों लोग उपस्थित थे।

अवैध कोयला लदा ट्रक समेत चालक, उपचालक गिरफ्तार

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

डुमरी/गिरिडीह। निमियाघाट थाना क्षेत्र के चंदनकुरूवा से अवैध कोयला लदे ट्रक और डम्प किया हुआ कोयले को आईजी द्वारा गठित टीम एवं निमियाघाट पुलिस ने संयुक्त रूप से छापेमारी कर जब्त कर ट्रक चालक एवं खलासी को हिरासत में ले लिया है ।गुरूवार की सुबह की गई छापेमारी में जब्त ट्रक और कोयला को लेकर पुलिस कार्रवाई में जूट गई है ।वहीं बताया जाता है कि आईजी को यह गुप्त सूचना मिली थी कि ट्रक संख्या जेएच 09यू 0318 में अवैध कोयला लदा है और वह मंडी की ओर जाने वाला है ।सूचना पर आईजी ने एक टीम गठित कर स्थल पर भेजा जो निमियाघाट पुलिस के साथ चंदनकुरवा रोड पर हीं कोयला लदा ट्रक को जब्त कर लिया ।साथ ही यूएमएस टेहडवा के पास बड़े पैमाने पर कोयला डम्प कर तिरपाल से ढक कर रखा गया था,उसे भी जब्त कर थाना ले जाया गया जबकि इस दौरान ट्रक चालक नावाडीह प्रखंड के खरपीटो के निवासी फिरोज अंसारी व उपचालक रियासत अंसारी को हिरासत में ले लिया गया ।पुलिस ने मामले में ट्रक मालीक करगली निवासी मुन्ना सिंह अवैध कोयला के धंधेबाज नावाडीह थाना क्षेत्र निवासी मुन्ना मियां और जिबराइल अंसारी तथ दोनों गिरफ्तार लोगों के विरुद्ध मामल दर्ज करने की प्रक्रिया खबर प्रेषण तक की जा रही थी ।गौरतलब हो कि डुमरी फुसरो पथ से गिरिडीह पथ की ओर दर्जनों बाइकों से भी प्रतिदिन कोयला की ढुलाई की जाती है जबकि फुसरो की ओर से भी दर्जनों ऑटो में बोरियों में भरकर कोयला लाया जाता है।

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेट टूर्नामेंट में बंगलादेश विजय, भारत रनर

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

उधवा। बंगलादेश में आयोजित दिव्यांग क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच गुरुवार को संपन्न हुआ। जिसमें बंग्लादेश दिव्यांग टीम ने भारत को 9 विकेट से हराकर विजेता टीम बना। जानकारी के अनुसार 27 मार्च से चार दिवसीय मैच में भारत ने नेपाल व श्रीलंका को हराकर फाइनल पर पहुंचे ।गुरुवार को फाइनल मैच बंगलादेश व भारत के बीच खेला गया ।जहां भारत में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया ।भारत के दिव्यांग टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए बंगलादेश को 108 रन का लक्षय रखा। दूसरे पारी में बंगलादेश ने अपने लक्षय का पीछा करते हुए 9 विकेट से मैच जीता। जबकि भारत उपविजेता बना ।मैंच के अंत में बंगलादेश के प्रधानमंत्री शेख हसीना ने बंगलादेश दिव्यांग टीम को 10 करोड़ व सभी खिलाड़ियों को पांच-पांच लाख रुपया का चेक दिया। वहीं उप विजेता टीम भारत के दिव्यांग टीम को डेढ़ लाख रुपया का चेक दिया।

आवारा कुत्ता ने अधेड़ को काटा हुआ जख्मी

गिरिडीह /झारखंड देखो/प्रतिनिधि। गांवा थाना क्षेत्र के पिहरा पश्चमी पंचायत अंतर्गत जगदीशपुर निवासी गजाधर साव उम्र 60 वर्ष को आवारा कुत्तों ने काट कर जख्मी कर दिया। घटना के संबंध में बताया जाता है कि श्री साव अपने मामी के अंतिम संस्कार कर पुनः वापस अपने घर जगदीशपुर लौट रहे थे तभी अचानक आवारा कुत्तों ने हमला बोल दिया और उसको काटकर जख्मी कर दिया जिसके बाद वह समुदायिक स्वास्थ केन्द्र गांवा पहुंचे जहा डॉ काजिम खान ने प्राथमिक उपचार कर उसे घर भेज दिए।

बताते चलें कि पागल कुत्ता द्वारा मनुष्य पर हमला करने की यह पहली घटना नहीं इस क्षेत्र में यह घटना पहले भी कई बार घट चुकी है लेकिन यहां की प्रशासन इस विषय पर गंभीरता से नहीं ली है जिसका परिणाम है कि आए दिन कुत्तों द्वारा मनुष्यों पर हमला हो रहा है और जख्मी कर दिया जा रहा है।

सरिया में अनियंत्रित होकर ट्रक घर में घुसा ,कोई हताहत नहीं

- **घर का दीवार व छत का हिस्सा हुआ क्षतिग्रस्त**

गिरिडीह /झारखंड देखो/प्रतिनिधि। सरिया राँची दुमका मुख्य मार्ग में निमाटाँड चौक के समीप के समीप एक अनियंत्रित ट्रक घर में घुस गया । इससे घर का बाहरी दीवार व छत का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया । इस बाबत प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार को दोपहर तीन बजे के करीब राजधनवार की ओर से आ रही ट्रक संख्या जेएच 02 डी 2406 अनियंत्रित होकर सडक किनारे बने श्यामलाल महतो व रामेश्वर महतो के घर में सीधा टक्कर मार दिया, जिससे मकान का सामने का हिस्सा पूरा क्षतिग्रस्त हो गया । हालांकि उस समय बाहर बरामदे में कोई नहीं था ,नहीं तो बडी घटना हो सकती थी । उक्त ट्रक सरिया का ही बताया जा रहा है, इसे लेकर समाचार लिखे जाने तक पीड़ित परिवार व ट्रक मालिक के बीच उचित मुआवजे को लेकर बातचीत चल रही थी।

ग्रामीणों के बीच सीआरपीएफ ने बांटी जरूरत की सामग्री, लोगों में खुशी की लहर

डुमरी/गिरिडीह/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। निमियाघाट थाना क्षेत्र के बंदखारो में गुरूवार को सीआरपीएफ की 154 बटालियन द्वारा सिविक एक्शन ग्रामीणों के बीच आवश्यक सामग्री एवं बच्चों के बीच पठन-पाठन की सामग्रियां वितरित की गई।

इस दौरान सीआरपीएफ के सेकेंड कमांडेंट राजेश ठाकुर सेकंड कमांडेंट बीएसएफ भारती असिस्टेंट कमांडेंट मनोहर कुजुर सहित सीआरपीएफ के अन्य पदाधिकारियों द्वारा ग्रामीणों के बीच सामग्रियां सहित विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं के बीच स्कूल बैग,पेंसिल,कॉपी एवं खेल सामग्रियां जैसे वॉलीबॉल बैडमिंटन,फुटबॉल को वितरण किया गया ।इस संबंध में सेकंड कमांडेंट राजेश ठाकुर ने बताया कि सिविक एक्शन प्रोग्राम के माध्यम से पुलिस और जनता के बीच बेहतर संबंध स्थापित करना ही इसका उद्देश्य है तथा सरकार द्वारा चलाये जा रहे जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी गई साथ ही उन योजनाओं का लाभ किस प्रकार से लिया जाता है, इसकी भी जानकारी दी गई ।कार्यक्रम में आसपास के गांवों के ग्रामीण महिला पुरुष एवं स्कूल में पढ़ने वाले छात्र छात्राएं उपस्थित थे ।वहीं इस दौरान ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच किया गया और दवाई देते हैं आवश्यक सलाह भी दी गई ।बताया गया कि ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य ग्रामीणों और पुलिस के बीच में बेहतर संबंध स्थापित करना है।

सोंतराबाद में आइडिया ने लगाया निःशुल्क चिकित्सा कैम्प

आदिवासी बहुल गाँव में लोग कुपोषण के शिकार

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गिरिडीह। जमुआ प्रखंड के आदिवासी बहुल गाँव सोंतराबाद में गुरूवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नवडीहा के सौजन्य से आइडिया संस्था गिरिडीह के द्वारा निः शुल्क चिकित्सा कैम्प का आयोजन किया गया । कैम्प में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नवडीहा के चिकित्सा प्रभारी डॉ. जयदीप कुमार चौधरी और गिरिडीह के डॉ. अमित कुमार ने दर्जनों लोगों का मुफ्त में इलाज किया गया और संस्था द्वारा निःशुल्कदवाइयाँ बाँटी गई । मौके पर डॉ जयदीप कुमार चौधरी ने कहा कि निःशुल्क चिकित्सा कैम्प हर गाँव में लगाने की जरूरत है । इससे लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के साथ साथ गरीब और असहाय लोगों को मदद मिली । उन्होंने कहा कि गाँव के जिन लोगों का आज इलाज किया गया उसमें कुपोषण , दम्मा, एनिमियाँ, शुगर, बल्ड प्रेशर, वायरल फीवर, जोड़ों का दर्द , दाँत संबंधी बिमारी मुख्य रूप से शामिल है। गिरिडीह के दंत चिकित्सक डॉ अमित कुमार ने कहा कि मसूड़ों से खून आना, मुँह से बदबू आना पायरिया का लक्षण है। दाँतों में गंदगी सड़न से निजात पाने के लिए हर छः माह में लोगों को दंत चिकित्सक से मिलना चाहिए। आइडिया संस्था के प्रोग्राम डायरेक्टर संतोष पाण्डेय ने कहा कि संस्था सुदुर्वर्ती क्षेत्रों में इस तरह का चिकित्सा कैम्प का आयोजन कर गरीब और असहाय लोगों को मदद करना है ।

मौके पर एएनएम निहारिका एक्का , एमपीडब्ल्यू बबलू राय सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थे।

हेल्थ कैम्प में लखन मुर्मू, शोमोली मरांडी, रूपचंद टुडू, गुड़िया देवी, नैयका टुडू, बैजनाथ टुडू, छोटीमुनी देवी, मंझली किस्कू, चुडका हेंब्रम, बैदा सोरेन, बड़की टुडू, रेवा टुडू, बलदेव टुडू,मालती देवी, श्यामलाल मुर्मू, लखन मुर्मू, सोनम मरांडी, प्रधान टुडू, मुनियाँ देवी समेत कई लोगों का इलाज किया गया।

हिंदी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

संक्षिप्त समाचार

अज्ञात के विरुद्ध मोटरसाइकिल चोरी करने का मामला दर्ज

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के पहरू-डीह गांव निवासी सुकुर मुनि मरांडी पति शिबू हांसदा ने शिकारीपाड़ा थाना में आवेदन देकर अज्ञात के विरुद्ध मोटरसाइकिल चोरी करने का मामला दर्ज कराया है। सुकुर मुनि के अनुसार वह 29 मार्च 2022 को इंदर बनी फुटबॉल मैदान में मैच देखने के लिए पति के साथ गई थी ।जब मैच समाप्त हुआ तो रखे गए जगह पर अपनी मोटरसाइकिल ढूंढने लगी जो गायब थी।ढूंढने के बाद जब मोटरसाइकिल नहीं मिली तो उसने शिकारीपाड़ा थाना में लिखित आवेदन देकर अपनी हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल जिसका नंबरजे एच04आर/1744 है की चोरी अज्ञात चोर द्वारा कर लिए जाने का मामला दर्ज कराया है।पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए जांच कार्य शुरू कर दिया है।

थाना में आस्तिक एवं अन्य दो के विरुद्ध मामला दर्ज

दुमका /झारखंड देखो/प्रतिनिधि। शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के ढाका गांव निवासी तापस गुई ने थाना क्षेत्र के गमरा निवासी आस्तिक मंडल के विरुद्ध अपनी पत्नी को प्रेम जाल में फंसा कर 17000 रुपया नगद एवं आभूषण के साथ भगाने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है। तापस के अनुसार नवंबर 2011 में उसकी शादी शर्मिष्ठा शाह के साथ सिउड़ी कोर्ट में हुई थी।जिससे एक 9 वर्ष की लड़की है ।वह जनवरी 2022 से भारती कंप्यूटर सेंटर दुमका आना-जाना कर रही थी इसी क्रम में उसका लगाव गमरा निवासी आस्तिक मंडल से हो गया।15 मार्च 2022 को वह 17000 रुपया नगद एवं सोने का आभूषण लेकर आस्तिक के साथ भाग गई ।काफी खोजबीन करने पर पता चला कि चिमनतो मंडल पिता जिया राम मंडल गमरा तथा प्रिया साह उर्फ ललिता साहा ढाका ने आस्तिक को मेरी पत्नी को लेकर भगाने में सहयोग किया है इसलिए आस्तिक मंडल के विरुद्ध मेरे पत्नी को भगाने तथा चिमंतो मंडल एवं प्रिया साह उर्फ लतिका साह के विरुद्ध सहयोग करने का मामला दर्ज कर मुझे न्याय दिलाने की कृपा करें।शिकारीपाड़ा पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए अनुसंधान कार्य शुरू कर दिया है।

कांग्रेस प्रखंड कमिटी ने किया मंहगाई मुक्त भारत अभियान का शुभारंभ

दुमका /झारखंड देखो/प्रतिनिधि। रामगढ़ कांग्रेस कमेटी द्वारा देश ब्यापी कार्यक्रम के तहत महगाई के खिलाफ प्रदर्शन कर विरोध जताया गया । प्रखंड कांग्रेस पार्टी की ओर से प्रखंड के डाड़ौ पंचायत में मंहगाई के खिलाफ प्रदर्शन किया गया। कहा कि पिछ्ले 10 दिनो मे 9 बार पेट्रोल डीजल के दाम बढ़ाएं गये।किन्द्र सरकार जनमत का गला दबाने का काम कर रही है।सत्ता का गुरुर इतना चढ़ा है कि अब किसी की बात सुन नही रही है।आने वाले समय में और जोरदार तरीके से क्रमबद्ध आँदोलन किया जायेगा।केंद्र सरकार को मंहगाई पर रोक लगाना ही होगा।मौके पर बारिश मुर्मू ,रामकल्याण राय,राजीव जायसवाल आदि मौजूद थे।

किसी भी हाल में हवाई अड्डा बनने नहीं देंगे,पूरे झारखंड का यात्रा करेंगेलोबिन हेंब्रम

साहिबगंज/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जिले के बोरयो प्रखंड के सिमलजोड़ी फुटबॉल मैदान के पास प्रस्तावित हवाई अड्डा बनने के विरोध में बोरियो विधायक लोबिन हेंब्रम ने ग्रामीणों के साथ एक

बैठक की। विधायक लोबिन हेंब्रम ने कहा कि किसी भी परिस्थिति में आदिवासियों के जमीन पर हवाई अड्डा बनने नहीं दिया जाएगा। झारखंड की सरकार जल जंगल जमीन के लिए बनी थी जो कि अब हेमंत सरकार जल जंगल जमीन को ही उखाड़ने के लिए लगी हुई है। हेमंत सरकार पर काफी उम्मीद थी कि 1932 खतियान को लागू किया जाएगा, एसपीटी एक्ट को लागू करने के साथ कई वादा किए लेकिन आज हेमंत सरकार गद्दार निकला। उन्होंने कहा कि मैं पूरे झारखंड की यात्रा कर हेमंत सरकार की पोल खोलुंगा। राज्य सरकार की छत्रछाया में अवैध उत्खनन हो रहा है जिससे आदिवासी मूलवासी को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मौके पर सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

उधवा में सेतु विद्यालय संचालन में अनियमितता

उधवा/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। झारखंड शिक्षा परियोजना के अधिन संचालित एनआरबीसी केंद्र संचालन में कागजी खानापूर्ति कर शिक्षा केन्द्र संचालित किए जाने की शिकायत पूर्व उप प्रमुख ऐनुल हक अंसारी ने बीड-

ीओ से किया है।इस संबंध में उप प्रमुख ऐनुल हक अंसारी ने बीडीओ उधवा से ऐसे 42 एनआरबीसी केंद्र संचालन की वास्तविक स्थिति की जांच करने तथा इस संबंध में जो फर्जीवाड़ा की निष्पक्ष जांच करते हुए कार्रवाई की मांग की है।ऐसे कई केंद्र है जो चिन्हित विद्यालय में केन्द्र ही संचालित नहीं हुआ है।ऐसे केंद्रों पर विगत तीन माह में पंद्रह लाख से अधिक राशि खर्च की गई है जबकि इससे किसी को कोई लाभ नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि परियोजना कर्मचारियों की मिलीभगत से फर्जी तरीके सरकारी राशि की बंदरबांट किया जा रहा है।इस संबंध में बीडीओ राहुल देव ने बताया कि पूर्व उप प्रमुख ऐनुल हक अंसारी की लिखित शिकायत पर टीम गठन कर जांच किया जाएगा। यदि अनियमितता है तो दोषी व्यक्ति को दंडित किया जाएगा।

बकरी पालने के लिए एमए-बीएड नहीं किया

हेमंत सोरेन का परिवार एमपी-एमएलए बने हम लोग सुअर पालें

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। झारखंड प्रदेश आंगनबाड़ी कर्मचारी पोषण सखी संघ की सदस्यों ने गुरुवार को दुमका विधायक बसंत सोरेन, जामा विधायक सीता सोरेन और शिकारीपाड़ा विधायक नलिन सोरेन के आवास का घेराव कर धरना दिया। राज्य सरकार से मांग की कि वह 24 मार्च को सेवा समाप्ति का पत्र वापस ले। प्रदेश अध्यक्ष मानवेला मुर्मू ने कहा कि एक तो सरकार नौकरी नहीं दे पा रही है और आंगनबाड़ी केंद्र में सेवा देने वाली की सेवा समाप्त की जा रही है। यह दुखद है। सरकार के

इस रवैया से 10,388 पोषण सखी का भविष्य अंधकार में चला गया है। मुख्यमंत्री से मांग है कि शीघ्र सभी की सेवा को वापस लिया जाए। प्रदेश उपाध्यक्ष मीनू मुर्मू ने कहा कि सरकार सौतेला व्यवहार कर रही है।प्रखंड अध्यक्ष अलीना टुडू ने कहा कि सेवा को फिर से बहाल किया जाए। ऐसा नहीं हुआ तो उग्र आंदोलन होगा। प्रखंड सचिव सावित्री मरांडी ने कहा कि सरकार के इस रवैया से ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं काफी परेशान हैं। प्रखंड अध्यक्ष प्रतिभा मरांडी ने कहा कि सभी गोलबंद होकर ग्रामीण क्षेत्र में सरकार का विरोध करेंगे। प्रखंड अध्यक्ष रूपा मंडल ने कहा कि पोषण सखी को हटाकर राज्य सरकार ने महिलाओं को अपमानित किया है। इसका जवाब आने वाला चुनाव में दिया जाएगा। सीमा मरांडी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कहते हैं कि सुअर, बकरी, गाय पालकर अंडा बेचो। एमए और बीएड क्या इसके लिए किया है। हेमंत सोरेन के परिवार के लोग एमपी-एमएलए बनेंगे और हम लोग सुअर पालेगें । यह नहीं चलने देंगे। आने वाला चुनाव में बदला लेंगे। मेनेजा खातून ने कहा कि सभी पोषण सखी को हटा कर हमारे मान सम्मान को ठेस पहुंचाई है। इसका जवाब हम लोग अब सरकार को देंगे। धरना को प्रदेश उपसंरक्षक विधासागर मंडल, प्रदेश सलाहकार समिति सदस्य बच्चू मंडल के साथ हजारों की संख्या में पोषण सखी बहन उपस्थित थी।

विधायक ने किया जल मीनार का उद्धाटन, लोगों में दिखी खुशी की लहर

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। सदर प्रखण्ड अन्तर्गत दरबारपुर पंचायत के झाझापाड़ा गाँव के पहाड़ पर बसे पहाड़िया टोला में विधायक बसंत सोरेन द्वारा सोलर जल मीनार का उद्धाटन किया गया। इस पहाड़ पर पहाड़िया जनजाति से संबंधित कुल 13 परिवार रहते है और पीने के पानी की सुविधा उपलब्ध नहीं थी। विधायक श्री सोरेन के निर्देशानुसार पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा सोलर जलमीनार का अधिष्ठापन कराया गया और सभी 13 घरों में पाईप के द्वारा जल नल कनेक्शन दिया गया। इस दौरान नल से पानी निकलते ही गांव की महिलाओं ने खुशी व्यक्त करते हुए विधायक को धन्यवाद कहा।

इसके अतिरिक्त सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत दरबारपुर पंचायत

में कुल 139 पेंशन की स्वीकृति किये गए जिसमें से विधायक के द्वारा आशा पुजहरिन, आलामुनी पुजहरिन, बुधनी पुजहरिन, भगवती पुजहरिन समेत कुल 15 लोगों को विधायक के द्वारा पेंशन स्वीकृति प्रमाण पत्र दिया गया। साथ ही विधायक तपन पुजहर से भी मिलकर स्वास्थ्य हाल जाना। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग-2, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, दुमका, जिला कल्याण पदाधिकारी, दुमका सहित अन्य पदाधिकारी, मुखिया और ग्रामीण, शिवकुमार बास्की, निशित वरण गोलदार, दिनेश मुर्मू, जिला परिषद उपाध्यक्ष असीम मण्डल, प्रखंड दुमका से अध्यक्ष सिराजुद्दीन अंसारी, अब्दुल सलाम उपस्थित थे।

राष्ट्रीय टेनिस बॉल क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे दुमका के खिलाड़ी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। नागपुर महाराष्ट्र में चल रहे 32वें सीनियर राष्ट्रीय टेनिस बॉल क्रिकेट चैंपियनशिप में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए झारखंड की टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंच चुकी है। दुमका के तीनों खिलाड़ी जबरदस्त प्रदर्शन कर रहे हैं।

पहला मैच में झारखंड बनाम हरियाणा जिसमें झारखंड में 4 विकेट से मैच को जीता और दुमका के गौरव कुमार मैन ऑफ द मैच रहे।दूसरा मैच झारखंड बनाम एनसीआर के बीच हुआ जिसमें झारखंड ने 7 विकेट से मैच को जीता और मैन ऑफ द मैच दुमका के विशाल राउत हुए।तीसरा मैच झारखंड बनाम पूर्वांचल यूपी के बीच हुआ जिसमें झारखंड टीम 2 रनों से जीती।इस मैच में भी दुमका के विशाल राउत मैन ऑफ द मैच रहे। चौथा मैच झारखंड बनाम अंडमान निकोबार के बीच हुआ जिसमें झारखंड 47 रनों से विजयी हुआ। इस इस मैच में भी दुमका के ही रोहित प्रत्यय मैन ऑफ द मैच रहे।झारखंड की टीम पूल टॉपर बनकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर चुकी है,आज झारखंड की टीम सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए दीव दमन से भिड़ेगी।

नमामि गंगे के तहत गंगा स्वच्छता पखवाड़ा 2022 के अंतिम दिन निकाली गई स्वच्छता रैली, कई कार्यक्रम आयोजित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

साहिबगंज । नमामि गंगे परियोजना के तहत आयोजित किए जा रहे कार्यक्रम गंगा स्वच्छता पखवाड़ा 2022 का गुरुवार को आखिरी दिन रहा।यह कार्यक्रम 16 मार्च से 31 मार्च तक जिले के गंगा तट पर बसे ग्रामीण इलाकों में चलाया जा रहा था,जहां विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से लोगों को गंगा सफाई के प्रति जागरूक किया गया,उन्हें गंगा घाटों की साफ-सफाई, वातावरण पर प्रदूषण के प्रभाव, वृक्षारोपण के लाभ, सोक पिट निर्माण से जल संचयन जैसे महत्वपूर्ण विषयों के विषय में बताया गया।इस दौरान तटीय इलाकों में रहने वाले ग्रामीणों के बीच गंगा में पाए जाने वाले जलीय जीव जंतुओं के बारे में भी बताई गई।

- **द ग्रेट गंगा स्वच्छता पदयात्रा**

गंगा स्वच्छता पखवाड़ा 2022 के

आखिरी दिन राजमहल अनुमंडल के नगर क्षेत्र में शहर के सिंधी दलान से *द ग्रेट गंगा स्वच्छता पदयात्रा निकाली गई* जहां पदयात्रा के दौरान लोगों से प्लास्टिक का उपयोग न करने की अपील की गई। वहीं तटीय इलाकों पर प्लास्टिक का कूड़ा कचरा ना फैलाने सब्जी या आवशयक उपयोगी चीजें लेने हेतु कपड़े के बैग झोले आदि का उपयोग करने और प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करने के लिए लोगों को प्रेरित किया गया।लोगों को तटीय इलाकों की साफ सफाई में सरकार और प्रशासन का सहयोग करते रहने घाट परिसर को स्वच्छ रखने नदी में केमिकल वस्तुओं को प्रवाहित ना करने पूजन सामग्री विसर्जन ना करने साबुन सर्फ का इस्तेमाल ना करें आदि के लिए भी जागरूक किया गया।

- **श्रमदान कार्यक्रम**

इस बीच सिंघी दलान स्थित गंगा घाट पर वृहद पैमाने पर नगर परिषद अध्यक्ष,उपाध्यक्ष वार्ड परिषद के सदस्य, विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा श्रमदान किया गया।

जहां सभी ने घाट के इलाकों पर झाड़ू लगाया एवं कूड़ा कचरा साफ किया।श्रमदान कार्यक्रम के माध्यम से सभी ने लोगों से कई और संदेश देने की कोशिश की।गंगा घाट एवं नदी की साफ-सफाई हमारा कर्तव्य है एवं हम सभी की जिम्मेदारी है इसके लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करना होगा और अपनी सहभागिता देनी होगी।कार्यक्रम के तहत शहर के टाउन हॉल में दोपहर विद्यालय के छात्र छात्राओं के बीच चित्रांकन,स्लोगन लेखन, भाषण, वाद-विवाद क्विज प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया।इसके माध्यम से बच्चों ने स्वच्छता हेतु संदेश तो दिए ही उन्होंने चित्रांकन के माध्यम से जलवायु परिवर्तन के विभिन्न आयामों को दर्शाया इससे बचने के उपाय को साझा किया एवं अन्य स्वच्छता के महत्वपूर्ण उपायों पर भी चर्चा किया।वही अंत में अपराह्न 5 बजे से 7 बजे तक सिंधी दलान स्थित गंगा घाट में गंगा आरती, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं पुरस्कार वितरण समारोह के साथ ही गंगा स्वच्छता पखवाड़ा 2022 संपन्न हो जाएगा।

पानी की समस्या का शिकायत मिलने के बाद पीएचडी विभाग की टीम पहुंचे

बोरियो/साहिबगंज/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। साहिबगंज जिले के बोरियो प्रखंड अंतर्गत बिचपुरा पंचायत के दनवार मुस्लिम टोला में 48 घंटे पहले कुछ चैनलों के माध्यम से दनवार मुस्लिम टोला में पानी की समस्या दिखाई गई थी उस समस्या का शिकायत पहुंचने के बाद कार्यपालक अभियंता गोविंद कच्छप ने बयान जारी कर एक सप्ताह के अंदर पानी समस्या को दूर करने की बात कही गई थी।जिससे 48 घंटे बाद कार्यपालक अभियंता गोविंद कच्छप जेई दिलीप मंडल एवं असिटेंट इंजिनर योगेंद्र हेंब्रम की टीम पानी की समस्या स्थल पर पहुंचे जहां ग्रामीणों ने पानी की समस्या से अवगत कराया वहीं ग्रामीणों ने बताया की जल मीनार से दनवार तक सीधी पाईप लाईन बिछाई जाय।उस मांग पर पीएचडी विभाग की टीम दनवार मुस्लिम टोला से जल मीनार तक सर्वे कर जेई एवं असिटेंट इंजिनियर को दनवार मुस्लिम टोला से जल मीनार तक सीधी पाइप लाईन बिछाने के लिए त्वरित कार्य करने के लिए कहा। वही कार्यपालक अभियंता के द्वारा जल मीनार का भी निरक्षण किया जहां मैकेनिक लालू ठाकुर एवं मुंशी राजू कुमार को कई दिशा निर्देश दिए ।वही कार्यपलक अभियंता ने बताया की दो दिन पहले बोरियो प्रखंड अंतर्गत दनवार मुस्लिम टोला में पानी की समस्या का मामला न्यूज चैनलों में प्रकाशित हुई थी उसी पर संज्ञान लेते हुए हम आज निरक्षण करने आए है और पानी की समस्या को दूर करने के लिए सीधी पाइप लाइन बिछाने के लिए त्वरित कार्य करने को कहा है ।मौके पर वार्ड सदस्य सोहराब अंसारी, इरशाद अंसारी, कबीर अंसारी, निसार अहमद, साकिर, मुस्ताक अंसारी एवं अन्य गांव के ग्रामीण मौजूद थे।

मुफ्फसिल थाना में आवेदन देकर की उचित कानूनी कारवाई की मांग

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत रशिकपुर(सोनवाडंगाल) निवासी सिंधु स्नेही भारती ने मुफ्फसिल थाना में आवेदन देकर तपन केवट पर हाथापाई एवं जिंदा काट देने की धमकी देने का आरोप लगाया है।सिंधु ने आवेदन में लिखा है कि मैं सिंधु स्नेही भारती, उम्र 38 वर्ष पति दिलीप कुमार रशिकपुर,सोनवाडंगा की रहने रहने वाली हूं।मैं आज अपनी जमीन के चिहरदीवारी निर्माण का कार्य करा रही थी कि अचानक तपन केवट ने आकर मेरे साथ हाथापाई की एवं मुझे जिंदा गाड़ देने एवं खून की नदी बहा देने की धमकी दी है। बताया है कि मुझे वर्ष 2011 में मौजा नेतुरपहडी के जमाबंदी नंबर 36, दाग नंबर 8 में 1 कट्ठा 1 धुर जमीन घनशयाम मिस्त्री से दान मै मिली थी।मौजा नेतुरपहडी के ही जमाबंदी नंबर 5 ,दाग नंबर 7 मै कुल 1 कट्ठा 19 धुर जमीन मिर्ची देवी और उसके दोनो पुत्र से दान में मिली थी।दान में मिली कुल 3 कट्ठा जमीन पर मैं पक्की चहारदीवारी निर्माण करवा रही थी, उसी समय तपन केवट पिता महेंद्र केवट पता रसिकपुर के द्वारा जबरन काम बंद करने को कहा गया और गाली गलौज करते हुए खून बहा देने की बात करते हुए जान से मरने की धमकी दी गई है।सिंधु स्नेही भारती ने 31/03/2022 को समय लगभग 10.30 बजे मुफसिल थाना मे आवेदन देकर उचित कानूनी कारवाई करने की मांग की है। यहां बताते चलें कि आज शाम में दोनो पक्षों को कागजात लेकर थाना बुलाया गया है।

बिधायक प्रतिनिधि ने बरहरवा में सुरैया कैम्ब्रिज स्कूल का किया शुभारंभ

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

बरहरवा/साहिबगंज। प्रखण्ड के थोपग्राम में सुरैया केंब्रिज स्कूल उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया कार्यक्रम में आये बतौर मुख्य अतिथि सूबे के ग्रामीण विकास मंत्री के प्रतिनिधि बरकत खान जी,बरहरवा प्रखंड विकास पदाधिकारी समीर अल्फ्रेड मुर्मू, बीस सूत्री अध्यक्ष अशोक कुमार दास,टारगेट पॉइंट रेसिडेन्सल स्कूल के प्रधानाध्यापक मो. उजिर हुसैन के कर कमलों द्वारा फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बर×कत खान ने कहा की बच्चों के उज्वल भविष्य के लिए यह स्कूल बहुत ही अच्छा है हम उम्मीद करते हैं कि इस स्कूल से बच्चों को प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र मे बहुत ही शानदार प्रदर्शन होगा तथा बच्चों को आगे बढ़ने में बहुत ही लाभदायक सिद्ध होगा तथा प्रधानाध्यापक से यह अनुरोध किया कि यह इलाका व्यवसायिक दृष्टिकोण से बहुत ही कमजोर है इस बात का ध्यान अवशय रखे ताकि उनके बच्चे भी इस स्कूल में पढ़ सके।मौके पर प्रखंड महासचिव

निताय सरकार,स्कूल के प्रधानाध्यापक इम्तियाज आलम,कांग्रेस पंचायत अध्यक्ष अनारुल खान, तकरिज आलम,दाउद शेख, समशेर अली खान, अफताब आलम, करीम सेख, एवं आसपास के अभिभावक,गणमान्य व्यक्ति एवं ग्रामीणगण उपस्थित रहे।

ईस्ट जॉन सीनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप का हुआ समापन, दुमका में जल्द खुलेगा बैडमिंटन एकेडमी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। तीनदिवसीय ईस्ट जॉन सीनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप का उद्घाटन दुमका विधायक बसन्त सोरेन ने 29 मार्च को किया जिसका समापन 31 मार्च को हुआ। जिसमें झारखण्ड सरकार में पर्यटन कला संस्कृति एवं खेल मंत्री हफीजुल हसन ने समापन समारोह को यादगार बनाया । इस प्रतियोगता में उत्तराखण्ड और उत्तर प्रदेश का कायम रहा दबदबा । फाईनल मुकाबले में उत्तराखण्ड से आये अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ध्रुव रावत और उन्नति विष्ट की जोड़ी ने मिक्स युगल में परचम लहराया और विजेता बने वहीं और उत्तर प्रदेश उत्तराखण्ड से ही प्रणव शर्मा और तनीषा सिंह की जोड़ी उपविजेता रहे जबकि तीसरे नम्बर पर हरिओम यादव और शिवांगी सिंह तथा हिमांशु उपाध्याय सोनाली सिंह उत्तर प्रदेश ही रहा । महिला युगल मुकाबले को रोमांचक बनाते हुए समृद्धि सिंह और सोनाली सिंह उत्तर प्रदेश की जोड़ी ने हिमांशु रावत और उन्नति विष्ट की जोड़ी को हराया । पुरुष युगल के फाईनल मुकाबले में अविनाश मोहंती आयुष पटनायक (उड़ीसा)की जोड़ी विजेता बने और उपविजेता के रूप में शशांक और सोहैल ?उत्तराखंड)की जोड़ी रहा । वहीं महिला एकल मुकाबले में अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी तनीषा सिंह उत्तर प्रदेश ने जीत हासिल किया और उत्तर प्रदेश की ही काजल पनवार उपविजेता रही । पुरुष एकल मुकाबले में राजन यादव उत्तर प्रदेश विजेता बने और ध्रुव रावत उत्तराखण्ड उपविजेता रहे । पुरुष युगल में विजेता बने खिलाड़ी को दुमका बैडमिंटन एशोसिएशन के तरफ से 45 हजार का नगद पुरस्कार और चमचमाती ट्रॉफी के साथ प्रमाण पत्र दिया गया । उपविजेता को 22 हजार 500 रुपये के साथ सम्मानित किया गया । मिक्स युगल में भी विजेता खिलाड़ी को 45 हजार और उपविजेता को 22 हजार 500 नगद पुरस्कार दिया गया । महिला युगल में विजेता टीम को 45 हजार का पुरस्कार और उपविजेता 22 हजार 500 दिया गया । महिला एकल वर्ग में विजेता तनीषा सिंह उत्तर प्रदेश को 50 हजार नगद राशी देकर मंत्री हफीजुल हसन ने सम्मानित किया वही उपविजेता काजल पावर उत्तर प्रदेश को 25 हजार राशी से सम्मानित किया गया । समापन समारोह में पोड़ैयाहाट से विधायक प्रदीप यादव पहुंचे और सभी को शुभकामनाएं दिए । वरिष्ठ अधिवक्ता विजय कुमार सिंह भी समापन समारोह का गवाह बने । इस समापन समारोह में जिला खनन पदाधिकारी कृष्ण कुमार किस्कु , डीएसपी विजय कुमार , अडानी फाउंडेशन के सुबोध प्रसाद सिंह , प्रभाकर राव झारखण्ड बैडमिंटन एशोसिएशन के सचिव मौजूद रहे मंच संचालन उमाशंकर चौबे और डीएसपी विजय कुमार ने किया । अकबर और सचिव दीपक झा पुरस्कार वितरण समारोह को यादगार बना रहे थे । डीआईजी सुदर्शन प्रसाद मण्डल ने स्टेट चैम्पियनशिप में मंत्री द्वारा किये गए वादे को फिर से याद दिलाते हुए दुमका में बैडमिंटन एकेडमी खोलने का आग्रह किया और मंत्री ने भरोषा दिलाया है कि जल्द ही सरकार इस दिशा में आगे कदम बढ़ा रही है । इस आयोजन को सफल बनाने के लिए डीआईजी दुमका को मंत्री हफीजुल हसन और विधायक प्रदीप यादव ने काफी सराहना किया ।

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

समझौते ने दिखाई राह

असम और मेघालय के मुख्यमंत्रियों के बीच मंगलवार को हुआ सीमा समझौता 50 साल पुराने विवाद को सुलझाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस समझौते के जरिए दोनों राज्यों में 12 विवादित स्थलों में से छह को लेकर सहमति हासिल कर ली। अब इस तय फॉर्मूले के मुताबिक सर्वे किए जाने के बाद सीमाओं का पुनर्निर्धारण होगा और फिर उस पर संसद की मंजूरी ली जाएगी। इन औपचारिकताओं में कुछ और महीने लगेंगे, लेकिन विवादों की वजह से दोनों राज्यों के बीच जिस तरह का तनावपूर्ण माहौल लंबे समय से बना हुआ था, इस समझौते ने उसे खत्म कर दिया है। हालांकि विवाद के बिंदु अभी बरकरार हैं।

जानकारों के मुताबिक जो बचे हुए छह विवादित स्थल हैं, उन्हें सुलझाना थोड़ा मुश्किल है। जाहिर है, आगे की राह और चुनौतीपूर्ण साबित होने वाली है। लेकिन फिर भी इस समझौते ने अंतहीन से लगते विवादों को सुलझाने की राह दिखाई है। ध्यान रहे, नॉर्थ ईस्ट के चार राज्य- नगालैंड, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम- पहले असम का ही हिस्सा थे। अलग होने के समय से ही सीमावर्ती कुछ इलाकों को लेकर इनमें मतभेद रहे, जो कभी सही ढंग से सुलझाए नहीं जा सके। हालांकि सुलझाने के प्रयास जरूर किए गए समय-समय पर। असम-मेघालय विवाद को ही लें तो 1985 में ही तत्कालीन मुख्यमंत्री हितेश्वर सैकिया और कैप्टन डब्ल्यू ए संगमा की पहल पर पूर्व मुख्य न्यायाधीश वाय वी चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में समिति गठित की गई थी। ऐसे और भी प्रयास हुए, लेकिन ये तमाम प्रयास नतीजा देने में नाकाम रहे। पिछले साल जुलाई से शुरू किए गए ताजा प्रयास अगर कामयाब हो रहे हैं तो उसके पीछे कई फैक्टर हैं। इसके लिए बनाई गई क्षेत्रीय कमिटी ने संबंधित इलाकों का गहन दौरा कर स्थानीय निवासियों से बातचीत के जरिए समस्या की जटिलता को समझा और उन्हें विश्वास में लिया।

दूसरे, एक ही बार में पूरी समस्या को हल करने के बजाय इसे टुकड़ों में बांटकर धीरे-धीरे सहमति बनाते और उसे समझौते का रूप देते हुए आगे बढ़ने की राह अपनाई गई। तीसरी बात यह कि दोनों राज्यों के राजनीतिक नेतृत्व का संपूर्ण समर्थन इन प्रयासों को हर कदम पर उपलब्ध रहा। केंद्र सरकार की ओर से दी गई प्रेरणा भी इस पूरी प्रक्रिया के दौरान उत्प्रेरक का काम करती रही।

बहरहाल, इस महत्वपूर्ण सफलता के लिए केंद्र और राज्य सरकारें निस्संदेह बधाई की हकदार हैं। लेकिन यह भी याद रखना जरूरी है कि ऐसे समझौतों की असल परीक्षा बाद के वर्षों में इन पर अमल के दौरान होती है। सीमा के दोनों तरफ दोनों राज्यों में यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि स्थानीय आबादी में इस समझौते को लेकर किसी तरह की गलफहमी जड़ न जमाए और इसके प्रति स्वीकार्यता का भाव बना रहे।

मेरी मौत शायद बेगुनाही... गोल्ड मेडलिस्ट डॉक्टर के वो शब्द रुला रहे, सुसाइड का जिम्मेदार कौन?

प्रसव के दौरान एक महिला की मौत और उसका इलाज करने वाली महिला डॉक्टर को इतना प्रताड़ित किया जाता है कि वह खुदकुशी करने पर मजबूर हो जाती है। ये कैसा इंसाफ है। राजस्थान का पूरा चिकित्सक समुदाय आज शोक में है। राज्य की एक गोल्ड मेडलिस्ट युवा डॉक्टर अर्चना शर्मा की चिट्ठी उनके साथ पूरे देशवासियों को झकझोर रही है। अगर आपने चिट्ठी नहीं पढ़ी है तो जरूर पढ़िए। शायद अपने बच्चे की कॉपी से एक पन्ना फाड़कर डॉक्टर शर्मा अपने जीवन का सबसे बड़ा दर्द साझा किया। वह हिंदी में लिखती हैं, 'ज्मैंने कोई गलती नहीं की, किसी को नहीं मारा। पीपीएच एक कॉम्प्लिकेशन है, इसके लिए डॉक्टरों को प्रताड़ित करना बंद करो।'

जरा सोचिए, अगर डॉक्टर के इलाज के बावजूद मरीज की जान नहीं बचती है और IPC 302 के तहत उन पर मर्डर का केस लगा दिया जाता है, तो कोई डॉक्टर इलाज कैसे कर पाएगा। इसे ऐसे समझिए कि हम आप सोचकर ही कांप उठते हैं लेकिन धरती पर देवदूत समझे जाने वाले डॉक्टर का ऑपरेशन करते हाथ नहीं कांपता। अगर इन्हीं डॉक्टरों पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया जाने लगा तब तो हर पेशेंट का इलाज करते समय डॉक्टर 10 बार सोचेगा। निश्चित तौर पर इससे कोई डॉक्टर अपने पेशे से न्याय नहीं कर पाएंगे। सोशल मीडिया पर कई बड़े डॉक्टर इस पर नाराजगी जाहिर कर रहे हैं।

हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि सभी डॉक्टर अच्छे ही होते हैं। कुछ ऐसे भी हो सकते हैं जो पैसा कमाने के चक्कर में मरीजों के परिवारवालों के साथ छल करते हों। देश में हजारों की संख्या में अस्पताल हैं और हर समय चिकित्सक बिरादरी मरीजों की जान बचाने की जद्दोजहद करती रहती है। अगर परिवारवाले नाराज होते हैं, आरोप लगाते हैं तो इलाज प्रक्रिया की जांच कराई जा सकती है। लेकिन डॉक्टर पर हत्या का मुकदमा दर्ज करा देना कतई सही नहीं कहा जा सकता।

अपने देश में जहां कानून का शासन है। यहां बड़े से बड़े अपराधी को अपनी बात रखने और मुकदमा लड़ने की इजाजत दी जाती है, ऐसे में बिना जांच के डॉक्टर को प्रताड़ित करना एक गलत प्रथा की शुरुआत है। राजस्थान, यूपी समेत देश के कई राज्यों में ऐसे मामले आते रहते हैं जब मरीज की मौत पर तोड़फोड़, डॉक्टरों से मारपीट की जाती है। कई बार उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग भी उठती है। हड़ताल भी किया गया लेकिन कोई ठोस नतीजा नहीं निकला।

दौसा जिले के लालसोट स्थित आनंद हॉस्पिटल में सोमवार को एक प्रसूता की प्रसव के दौरान मौत हो गई। परिजनों और ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया और अस्पताल के डॉक्टर सुनित उपाध्याय और उनकी पत्नी डॉ. अर्चना शर्मा के खिलाफ हत्या की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। सोमवार रात करीब ढाई बजे ग्रामीणों का हंगामा शांत हुआ। इसके बाद मंगलवार सुबह डॉ. अर्चना शर्मा ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। इसके बाद उनका जो सुसाइड नोट सामने आया, उसने हर किसी की आंखों में आंसू ला दिए।

निश्चित तौर पर इससे कोई डॉक्टर अपने पेशे से न्याय नहीं कर पाएंगे। सोशल मीडिया पर कई बड़े डॉक्टर इस पर नाराजगी जाहिर कर रहे हैं।

डॉ. अर्चना शर्मा हस्ताक्षर किए अपने लेटर में लिखती हैं, 'मैं, मेरे पति, मेरे बच्चों से बहुत प्यार करती हूं। कृपया मेरे मरने के बाद इन्हें परेशान नहीं करना। मैंने कोई गलती नहीं की, किसी को नहीं मारा। PPH एक known complication है। इसके लिए डॉक्टर को इतना प्रताड़ित करना बंद करो।' आगे उन्होंने लिखा कि मेरा मरना शायद मेरी बेगुनाही साबित कर दे। उन्होंने बोल्ड लेटर में लिखा, 'DON'T HARASS INNOCENT DOCTORS. PLEASE.' आगे उन्होंने लिखा कि मेरे बच्चों को मां की कमी महसूस नहीं होने देना।

सोचिए, उस मां के दिल पर क्या बीती होगी जब उसने अपनी जीवनलीला समाप्त करने की सोची। Dr Satya Saraswat, Anuradha Deolalkar समेत कई लोगों ने डॉक्टरों को बचाने की बात कही है। ट्विटर पर कई डॉक्टरों ने लिखा है कि PPH एक जानी पहचानी जटिलता है जो खतरनाक हो सकती है। ऐसे में पीपीएच के कारण माता की मृत्यु पर प्रसूति रोग विशेषज्ञ के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करना बिल्कुल गलत है।

पीपीएच एक ऐसी कंडीशन होती है जिसमें शरीर से भारी मात्रा में खून निकल जाता है। इससे कई तरह की परेशानियां हो सकती है जिसमें हार्ट रेट बढ़ना, तेज सांस और खून के प्रवाह में कमी शामिल है। इससे मरीज के लिवर, ब्रेन, हार्ट या किडनी में खून का संचार बाधित हो सकता है। इन्हीं परिस्थितियों में राजस्थान की उस महिला की मौत हुई है।

आज राजस्थान के डॉक्टर विरोध स्वरूप सभी चिकित्सा संस्थानों को 30-31 मार्च को 24 घंटे के लिए कामकाज रोक दिया। लेकिन यह विषय सिर्फ डॉक्टरों से जुड़ा नहीं है। यह हर शख्स से जुड़ा मसला है। याद कीजिए कोरोना संक्रमण का दौर चला रहा था। हम अपने घरों में कैद हो गए थे क्योंकि बाहर कोरोना जानें ले रहा था। उस प्रचंड महामारी के दौर में भी हमारे डॉक्टरों, नर्स और अन्य स्टाफ ने अपना फर्ज बखूबी निभाया। उन्होंने अपनी जान पर खेलकर न सिर्फ अस्पताल जाना जारी रखा बल्कि कई डॉक्टरों और नर्स ने अपनी जान भी गंवाई। पीएम मोदी के आह्वान पर देशभर ने थाली और घंटी बजाकर उनके प्रति कृतज्ञता का भाव व्यक्त किया। आज उसी डॉक्टर को फांसी लगानी पड़ रही है। आखिर इसके लिए जिम्मेदार कौन है?

इस केस में यह भी सामने आ रहा है कि कुछ स्थानीय नेताओं के दबाव में डॉक्टरों से मोटा मुआवजा दिलाने के नाम पर प्रेशर बनाया गया। नेताओं ने इतना दबाव बनाया कि पुलिस ने केस दर्ज कर लिया। मृतक डॉक्टर के पति सुनित उपाध्याय का वीडियो सामने आया है जिसमें वह नेताओं के नाम ले रहे हैं जिन्होंने उस दिन पुलिस पर दबाव बनाया था। रोते हुए वह कहते हैं कि एक महिला की डिलवरी हुई थी। उसे कई जगह से रेफर किया था। उस महिला का पहला सीजेरियन भी यहीं हुआ था जिसमें उसे ट्विन्स हुए थे। हम दो घंटे तक जूझते रहे और दो यूनिट ब्लड भी चढ़ाया लेकिन हम उसे बचा नहीं पाए। घरवाले हाथ जोड़ते हुए कह रहे थे कि आपने तो पूरी कोशिश की और ऐंबुलेंस के लिए कहा तो अस्पताल ने उन्हें घर भिजवाने का प्रबंध किया। वे लोग घर जाकर अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहे थे लेकिन कुछ नेताओं के दबाव में आकर परिवार को अस्पताल वापस लाया गया जिससे ज्यादा मुआवजा दिलाया जा सके। पति दिग्गज नेता किरोड़ी लाल मीणा का भी नाम लेते हैं। सुनित कहते हैं कि उनकी पत्नी ये सब हंगामा देखकर काफी दबाव महसूस कर रही थी। उन्होंने समझाया लेकिन वह कह रही थीं कि ये लोग क्या जेल भेज देंगे? वह कहते हैं कि उन्हें नहीं पता चला कि पत्नी इतनी प्रेशर में थी और फांसी का फंदा लगा लिया।

दैनिक पंचांग

01 अप्रैल 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

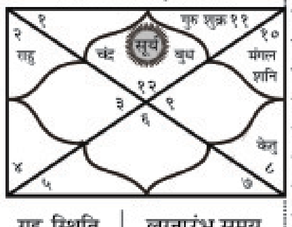

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.36 बजे से
चंद्र	मीन में	वृष	08.16 बजे से
मंगल	मकर में	मिथुन	10.14 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	12.27 बजे से
गुरु	कुंभ में	सिंह	14.43 बजे से
शुक्र	कुंभ में	कन्या	16.55 बजे से
शनि	मकर में	तुला	19.06 बजे से
राहु	वृष में	वृश्चिक	21.21 ब.से
केतु	वृश्चिक में	धनु	23.37 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		मकर	01.42 बजे से
		कुंभ	03.28 बजे से
		मीन	05.01 बजे से

शुक्रवार 2022 वर्ष का 91 वां दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2078 **शक संवत्** 1944 **मास** चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अमावस्या 11.54 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराभाद्रपदा 10.40 बजे को समाप्त। **योग** ब्रह्म 09.36 बजे को समाप्त। **करण** नाग 11.54 बजे तदनन्तर किंस्तुघ्न 23.52 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 04° 27' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871205 **जूलियन दिन** 2459670.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2548 **हिजरी सन्** 1443 **महीना** सावान **तारीख** 28 **विशेष** बैंक अवकाश, चैत्र अमावस्या, इष्टि।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23 बजे तक		रोग	05.38 से	07.1 बजे तक	
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक		काल	07.11 से	08.43 बजे तक	
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक		लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक	
काल	10.19 से	11.47 बजे तक		उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक	
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक		शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक	
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक		अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक	
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक		चर	02.51 से	04.23 बजे तक	
चर	04.10 से	05.38 बजे तक		रोग	04.23 से	05.55 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

आपका राशिफल 01 अप्रैल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ) — कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-4-5-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) — शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) — घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-5-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-5-7-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) — थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किये गए कार्यों का प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-4-6-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-2-4-6

मार्ग-दर्शन

साधु ने बताया जीवन का सही अर्थ

एक साधु सांसारिकता से कोसों दूर भगवान के ध्यान में डूबा रहता। अपने आश्रम में आने वालों का सत्कार करता और जाने वालों के प्रति कोई मोह नहीं दर्शाता। कोई आ जाता तो भी वह प्रसन्न रहता और अकेलापन भी उसे नहीं खलता था। साधु सभी स्थितियों को ईश्वर की देन मानकर सुखी रहता था। एक दिन उसके आश्रम में तीन युवक आए। वे कुछ दिन वहां रहना चाहते थे। उनका इरादा जान साधु ने उनसे प्रश्न किया- तुम यहां क्यों आए हो? पहले ने कहा- बस रहने आया हूं। साधु बोला- रहने में तो कोई परेशानी नहीं है। दूसरे का उत्तर था- कुछ जानने आया हूं। साधु ने उसे समझाया- कुछ जानने के लिए बुद्धि को शुद्ध और मन को समर्पण योग्य बनाना पड़ेगा। जिसे हम जानना कहते हैं, अधिकांश अवसरों पर वह मात्र जानकारी होती है। यह हमारा भ्रम होता है कि हमने जान लिया। चित्त को एकाग्र किए बिना जो जाना जाए, वह परमात्मा न होकर हमारा अहंकार या पूर्वग्रह होता है। इससे ऊपर उठकर ही हम परमात्मा को देख सकते हैं। आश्रम में रहो या दुनिया में, चित्त की एकाग्रता और मन के समर्पण के बिना कुछ नहीं जान सकोगे। फिर साधु ने तीसरे युवक की ओर प्रश्न सूचक दृष्टि से देखा, तो वह बोला- मैं जीने के लिए यहां रहने आया हूं। तब साधु ने कहा- रहना और जानना इन दोनों से ऊपर की स्थिति है- जीना। जीवन बिताना सरल है, किंतु जीना कठिन है। जीवन को जीने के लिए परमात्मा की अनुभूति होना, उससे एकलय होना आवश्यक है। तीनों युवक साधु की बातों का मर्म जान गए और उनकी बताई राह पर चल पड़े। वस्तुत: स्वयं को परमात्मा का अंश मानकर प्रत्येक कर्म का उसी को समर्पण जीवन को सही अर्थों में जीने योग्य बनाता है।

जीने की राह

सुख-दु:ख जीवन नैया की दो पतवार

जब कभी हमारे साथ अनहोनी होती है, हम पहला पत्थरभगवान की ओर उछालते हैं। उन्हें दोष देने लगते हैं। खासतौर पर जब घर में किसी सदस्य की असमय मृत्यु हो जाती है तब हमारे मन में यह सवाल उठता ही है कि हमने कभी किसी का बुरा नहीं किया फिर भगवान ने हमारे साथ ऐसा क्यों किया? चूंकि भगवान तो उत्तर देने आ नहीं सकते इसलिए कई लोगों के सवाल अनुत्तरित ही रह जाते हैं। यह रोष धीरेधीरे उदासी में और उदासी फिर डिप्रेशन में बदल जाती है। इसलिए बिना उत्तर प्राप्त किए जीवन को बोझ बनाकर न जीएं। ईश्वर अवतार लेता ही इसलिए है कि वे हमारे ऐसे प्रश्नों का उत्तर दे सकें। ईश्वर हमारी पहली सांस के साथ ही अंतिम सांस पर भी हस्ताक्षर कर चुका होता है। इस दौरान वह हमें उम्रभर खुशी और गम के पल देता रहता है। इस धरती पर हम सीखने आए हैं। यह उसी का हिस्सा है। जब अच्छा होता है तो हम आभार जताते हैं। धीरे-धीरे हम हमारा हक मान लेते हैं कि ईश्वर को हमारे साथ अच्छा करना ही होगा। इसलिए जब अनहोनी होती है तो हम बिखर जाते हैं और परमात्मा को कोसने लगते हैं। पर वह ऐसा करके हमें यही याद दिला रहा होता है कि सुख-दुख एक नाव की दो पतवार हैं। एक से नाव चलाओगे तो भंवर बनकर नाव एक जगह घूमेगी और डूबेगी। दो पतवारों से चलने वाली नाव का अपना एक किनारा और यात्रा तय होती है। इसलिए परमात्मा के फैसले में धैर्य के साथ भविष्य में झांके, वो फिर कुछ अच्छा करने के लिए खड़ा है और दिखाई भी देगा।

समझौते ने दिखाई राह

असम और मेघालय के मुख्यमंत्रियों के बीच मंगलवार को हुआ सीमा समझौता 50 साल पुराने विवाद को सुलझाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस समझौते के जरिए दोनों राज्यों में 12 विवादित स्थलों में से छह को लेकर सहमति हासिल कर ली। अब इस तय फॉर्मूले के मुताबिक सर्वे किए जाने के बाद सीमाओं का पुनर्निर्धारण होगा और फिर उस पर संसद की मंजूरी ली जाएगी। इन औपचारिकताओं में कुछ और महीने लगेंगे, लेकिन विवादों की वजह से दोनों राज्यों के बीच जिस तरह का तनावपूर्ण माहौल लंबे समय से बना हुआ था, इस समझौते ने उसे खत्म कर दिया है। हालांकि विवाद के बिंदु अभी बरकरार हैं।

जानकारों के मुताबिक जो बचे हुए छह विवादित स्थल हैं, उन्हें सुलझाना थोड़ा मुश्किल है। जाहिर है, आगे की राह और चुनौतीपूर्ण साबित होने वाली है। लेकिन फिर भी इस समझौते ने अंतहीन से लगते विवादों को सुलझाने की राह दिखाई है। ध्यान रहे, नॉर्थ ईस्ट के चार राज्य- नगालैंड, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम- पहले असम का ही हिस्सा थे। अलग होने के समय से ही सीमावर्ती कुछ इलाकों को लेकर इनमें मतभेद रहे, जो कभी सही ढंग से सुलझाए नहीं जा सके। हालांकि सुलझाने के प्रयास जरूर किए गए समय-समय पर। असम-मेघालय विवाद को ही लें तो 1985 में ही तत्कालीन मुख्यमंत्री हितेश्वर सैकिया और कैप्टन डब्ल्यू ए संगमा की पहल पर पूर्व मुख्य न्यायाधीश वाय वी चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में समिति गठित की गई थी। ऐसे और भी प्रयास हुए, लेकिन ये तमाम प्रयास नतीजा देने में नाकाम रहे। पिछले साल जुलाई से शुरू किए गए ताजा प्रयास अगर कामयाब हो रहे हैं तो उसके पीछे कई फैक्टर हैं। इसके लिए बनाई गई क्षेत्रीय कमिटी ने संबंधित इलाकों का गहन दौरा कर स्थानीय निवासियों से बातचीत के जरिए समस्या की जटिलता को समझा और उन्हें विश्वास में लिया।

दूसरे, एक ही बार में पूरी समस्या को हल करने के बजाय इसे टुकड़ों में बांटकर धीरे-धीरे सहमति बनाते और उसे समझौते का रूप देते हुए आगे बढ़ने की राह अपनाई गई। तीसरी बात यह कि दोनों राज्यों के राजनीतिक नेतृत्व का संपूर्ण समर्थन इन प्रयासों को हर कदम पर उपलब्ध रहा। केंद्र सरकार की ओर से दी गई प्रेरणा भी इस पूरी प्रक्रिया के दौरान उत्प्रेरक का काम करती रही।

बहरहाल, इस महत्वपूर्ण सफलता के लिए केंद्र और राज्य सरकारें निस्संदेह बधाई की हकदार हैं। लेकिन यह भी याद रखना जरूरी है कि ऐसे समझौतों की असल परीक्षा बाद के वर्षों में इन पर अमल के दौरान होती है। सीमा के दोनों तरफ दोनों राज्यों में यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि स्थानीय आबादी में इस समझौते को लेकर किसी तरह की गलफहमी जड़ न जमाए और इसके प्रति स्वीकार्यता का भाव बना रहे।

अमीनाबाद नहीं, 'लखनऊ का चांदनी चौक' कहिए

अवध के नवाबों के वक्त कैसरबाग को लखनऊ की आत्मा कहा जाता था तो अमीनाबाद को दिल। नवाबों का पराभव हो गया और राजपाट वाले उनके सुनहरे दिन अतीत में समा गए तो भी इस दिल का रूप-रंग भले ही बदला, धड़कनें धीमी नहीं पड़ीं और रौनक लगातार बढ़ती ही गई तो उत्साहित कद्रदान उसे 'लखनऊ का चांदनी चौक' कहने लगे।

अवधी के अपने वक्त के सबसे लोकप्रिय कवि रमई काका ने यों ही 'हम गयन अमीनाबादै जब' शीर्षक अपनी कविता में खूब रस लेकर इस बात का जिक्र नहीं किया है कि किसी गांव-गिरांव से कोई भोला-भाला ग्रामीण अमीनाबाद पहुंच जाता तो किस तरह खुद को किसी और दुनिया में पाता, चैंधियाता और अकबकाया-सा रह जाता था। इतना ही नहीं, 'जल में थल और थल में जल' जैसे विभ्रम का शिकार होकर 'सजी-धजी मूरति' को 'सुघर मेहरिया' और 'मेहरिया' को 'मूरति' समझ बैठता और वापस लौटने पर गांव के लोगों से कहता था- बड़ा ध्वाखा होइगा! लेकिन आज की तारीख में किसी को भी ठीक से नहीं मालूम कि लखनऊ के इस चांदनी चौक का नाम अमीनाबाद क्योंकर पड़ा? कुछ कद्रदानों के अनुसार इसका नाम पहले नवाब बुरहान-उल-मुल्क सआदतअली खां प्रथम (1680-1739) के नाम पर है, जिनका एक नाम मीर मोहम्मद अमीन भी था, लेकिन कई अन्य कद्रदान इससे इत्तेफाक नहीं रखते। उनके अनुसार अमीनाबाद नवाब अमजदअली शाह (1801-1847) के वजीर-ए-आला अमीनुद्दौला के नाम पर है, जो इमदाद हुसैन के नाम से भी जाने जाते थे।

जो भी हो, अमीनाबाद में पहला निर्माण पहले नवाब के वक्त मुगल सल्तनत की ब्राह्मण जागीरदार रानी जयकुंअरि पांडे ने कराया था। वे नवाब की बेगम खदीजा खानम की दोस्त थीं और अपनी दोस्त की इच्छा पूरी करने के लिए उन्होंने वहां जो मस्जिद बनवाई, वह कालांतर में उनके नाम पर 'पड़ाइंन की मस्जिद' कही जाने लगी। फिर तो, कहते हैं कि मुगल बादशाह शाहआलम द्वितीय (1728-1806) ने भी अमीनाबाद के विकास और विस्तार में भरपूर रुचि ली। इस विस्तार में उनके बेटे सिकंदर शिकोह की भूमि और अवध के वजीर-ए-आला अमीनुद्दौला के अनुभव बहुत काम आए। अमीनुद्दौला ने वहां एक घंटाघर तो बनवाया ही, बाग भी विकसित कराया। उन्होंने इस बाग का नाम अपने पुराने नाम पर इमदाद बाग रखा था, लेकिन वह लखनवियों की जीभ पर नहीं चढ़ा। वक्त के साथ उन्होंने पहले उसे अमीनुद्दौला पार्क कहना शुरू किया, फिर झंडेवाला पार्क कहने लगे। इस नामांतरण का भी एक प्रेरक इतिहास है। जनवरी, 1928 में सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान इस पार्क में हुई एक बड़ी सभा के दौरान गोरी सरकार की सख्त मनाही के बावजूद आजादी के दीवाने गुलाब सिंह लोधी ने एक पेड़ पर चढ़कर तिरंगा फहरा दिया, तो उन्हें पुलिस के हाथों जान गंवाकर इसकी कीमत चुकानी पड़ी। तिरंगे के लिए यह शहादत रंग लाई तो अमीनुद्दौला पार्क को झंडे वाला पार्क कहा जाने लगा। पार्क के बीचोबीच लोधी की प्रतिमा भी लगाई गई। लेकिन आज की बात करें तो नवाबों के वक्त के अमीनाबाद के दीदार की हसरत लिए लखनऊ आने वालों को निराशा ही हाथ आती है। इसके कई कारण हैं। 1857 का स्वतंत्रता संग्राम विफल होने के बाद गोरों ने लखनऊ के दूसरे हिस्सों की तरह अमीनाबाद को भी तहस-नहस कर दिया। रही-सही कसर 1905 में तत्कलीन लेफ्टिनेंट गवर्नर सर जे डी लाटूश द्वारा दिए गए इसके जीर्णोद्धार के आदेश ने पूरी कर दी। इस जीर्णोद्धार के तहत ही बहुचर्चित लाटूश रोड का निर्माण कराया गया। फिर 1912 में एक मास्टर प्लान के तहत अमीनाबाद के बीच से सड़कें निकाली गईं और उसकी भूमि के टुकड़े इस तरह बांट दिए गए कि पुराने अमीनाबाद का वजूद ही खत्म-सा होकर रह गया। आज के अमीनाबाद में नवाबों के दौर की इमारतों के कुछ अवशेषों को छोड़ दें तो कुछ नहीं बचा। उस वक्त के उन दो फाटकों का भी अस्तित्व अब नहीं रहा, जो उसकी शान थे और जिनमें से एक को कलां यानी बड़ा और दूसरे को खुर्द यानी छोटा फाटक कहा जाता था। यही कारण है कि अब लखनवी किसी से 'अमीनाबाद नहीं, लखनऊ का चांदनी चौक कहिए जनाब' कहते हैं तो अजीब-सी कसक से भर उठते हैं।

प्रसंगत: आशा और निराशा

एक दूधवाले ने दो मेंढक पाल रखे थे। दोनों में घनी मित्रता परंतु दोनों विपरीत स्वभाव के थे। एक बेहद आशावादी था तो दूसरा निराशा से भरपूर। आशावादी मेंढक अपने मित्र को जीवन में आशा का महत्व समझाता, परंतु उसका मित्र उसकी बात को हंसकर टाल देता था। उसका मानना था कि जो होना है वह होकर रहेगा। इसलिए अपनी ओर से किसी तरह का कोई प्रयत्न अनुचित है। एक रात दोनों खेल रहे थे। वे खूब-उछल कूद मचा रहे थे। इसी क्रम में वे अचानक छाछ के बर्तन में जा गिरे। रात होने के कारण किसी की भी नजर उन पर नहीं पड़ी। बाहर निकलने के लिए वे जितना हाथ-पैर मार रहे थे, उतना ही गाढ़ी-गाढ़ी छाछ में फंसते जा रहे थे। निराशावादी मेंढक बोला, 'हम कितना भी प्रयत्न कर लें, परंतु इसमें से बाहर नहीं निकल पाएंगे, इसलिए शरीर को ढीला छोड़ देते हैं और मृत्यु को शांति से गले लगा लेते हैं। अंत समय में व्यर्थ ही शरीर को थका-थका कर अपनी मृत्यु को कष्टदायक न बनाएं।' इस पर आशावादी मेंढक बोला, 'हमें आखिरी सांस तक प्रयत्न करना चाहिए। शायद सचमुच बाहर निकलने में हम कामयाब हो जाएं।' इतना कहकर वह लगातार हाथ-पैर मारता रहा। इस दौरान वह थककर बेहोश हो गया। उसके होश में आने पर सवेरा हो चुका था। उसने अपने आपको छाछ के ऊपर मक्खन की सतह पर पाया। उस मेंढक के लगातार हाथ-पैर मारने से छाछ में मक्खन बन आया था, उसी से मेंढक की जान बच गई। उसने हर तरफ गौर से देखा कि उसका मित्र कहां है। परंतु उसका मित्र तो छाछ में नीचे मरा पड़ा था। उसने बिना कोई प्रयत्न किए शरीर को ढीला छोड़कर बच पाने की आशा भी छोड़ दी थी और मृत्यु का ग्रास बन गया। आशावादी मेंढक को अपने मित्र की मृत्यु पर काफी दुख हुआ।

आर एन आई (टी सी) नं- JHAHIN01027,स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक डॉ सिकन्दर कुमार द्वारा माँ भवानी आर्ट भागलपुर रोड नीयर सिनेमा हॉल दुधानी दुमका से मुद्रित एवं झारखण्ड देखो कार्यालय मजिस्ट्रेट कॉलोनी बंदरजोरी, दुमका से प्रकाशित,
प्रधान संपादक डॉ सिकन्दर कुमार, मोबाइल नं-9955599136(इस अंक में प्रकाशित समाचारों का चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)

हिन्दी दैनिक झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

फॉरएवर यंग

उम्र बढ़ने के साथ आपकी त्वचा नमी खोती जाती है। इसलिए क्रीमी ब्लश और शैडोज त्वचा में पूरी तरह मिक्स हो जोएंगे।

एक उम्र के बाद चेहरे पर उम्र की झुर्रियां दिखने लगती हैं। खुद को बढ़ती उम्र में खूबसूरत बनाए रखना एक चुनौती है जिसका सामना कर पाना मुश्किल होता है लेकिन बढ़ती उम्र और झाइयों से आत्मविश्वास कम होता है इसलिए चेहरे की रौनक बरकरार रखने के लिए थोड़ी-बहुत मशक्कत करने में कोई हर्ज नहीं। महिलाएं बढ़ती उम्र की कुंठा से बचने के लिए बोटोक्स प्रयोग करने लगती हैं। यदि आप बोटोक्स से बचना चाहती हैं तो कुछ आसान से नुस्खे आजमा कर बढ़ती उम्र में भी आकर्षक दिख सकती हैं।

माइक्रोडर्मा एब्रेजन

क्लीनिकल माइक्रोडर्मा एब्रेजन के लिए डाक्टर्स त्वचा के गड्ढों को मिटाकर उसे मुलायम बना सकते हैं।

यह प्रक्रिया फेशियल की तरह होती है जिसमें डाक्टर या सौंदर्य विशेषज्ञ त्वचा पर छोटे-छोटे सफेद कणों से ट्रीटमैंट करता है। इस ट्रीटमैंट को कुछ सिटिंग्स में लेना पड़ता है लेकिन यह असरदार साबित होता है।

इससे आपके चेहरे की लकीरों के अलावा एक्ने की समस्या से भी छुटकारा मिलता है। आजकल बाजार में डू इट योरसैल्फ माइक्रोडर्मा एब्रेजन किट्स भी मौजूद हैं जिससे आसानी से घर में ही स्किन ट्रीटमैंट कर सकती हैं।

हेयर स्टाइलिंग भी जरूरी

सिर्फ चेहरे की झुर्रियां ही नहीं, हेयर स्टाइल में भी बदलाव करके आप खुद को चिर युवा बनाए रख सकती हैं। इसके लिए अपनी बरसों पुरानी हेयर स्टाइलिस्ट से अपने बालों का लुक चेंज करवाएं या फिर ब्यूटी पार्लर में जाकर वहां अपने हेयर स्टाइल को बदलवा कर नया स्टाइल चुन कर आप सबको चकित कर सकती हैं। एक ट्रैंडी हेयरकट आपकी उम्र घटाने में सबसे ज्यादा मददगार होता है। अगर आप अपने बालों की लैंग्थ कम नहीं करना चाहतीं तो लेयरिंग और बाऊंस ट्राई करें।

ध्यान से चुनें फ्रेगरैंस

एक सर्वे की मानें तो पुरूषों को पिंक ग्रेप फ्रूट वाला परफ्यूम प्रयौग करने वाली स्त्रियां ज्यादा पसंद हैं। सर्वे के अनुसार पिंक ग्रेप फ्रूट की गंध औरतों की उम्र को लगभग 6 वर्ष तक कम कर देती है। यानी आपके पास से मिलने वाली यंग वाइब आपको यंग दिखाने के लिए काफी है।

मेकअप : बढ़ती उम्र में मेकअप की भूमिका और भी ज्यादा बढ़ जाती है। इस उम्र की स्त्रियां कई बार सिर्फ लिपस्टिक लगाकर काम चला लेती हैं लेकिन इससे बुरा आपके लिए कुछ नहीं है। सिर्फ लिपस्टिक से आपकी उम्र ज्यादा दिखती है। उम्र छिपाने के लिए सही मेकअप करना बेहद जरूरी है।

मॉइश्चराइजर के बाद चेहरे की लकीरों को छिपाने के लिए प्राइमर का प्रयोग करें। मेकअप के लिए ट्रैंडी शेड्स के बजाय ऐसे रंग चुनें जो आपके स्किन टोन को सूट करें। गलत रंगों की लिपस्टिक से बचें। थोड़े माइल्ड शेड्स का चुनाव करें। इसके अलावा क्रीमी ब्लश और आई शैड़ोज का प्रयोग करें।

उम्र बढ़ने के साथ आपकी त्वचा नमी खोती जाती है इसलिए क्रीमी ब्लश और शैडोज त्वचा में पूरी तरह मिक्स हो जाएंगे।

मेकअप करते समय आंखों को अच्छी तरह डिफाइन करना न भूलें। इससे आंखें खूबसूरत दिखेंगी। बढ़ती उम्र के साथ बॉडी पोश्चर ढलता है। इसका ध्यान रखें और अपने शरीर को सीधा रखने की कोशिश करें।

मूंग दाल पकौड़े

सामग्री :

1/4 भुनी मूंगफली के दाने, 1 कप मूंग की दाल, 1 छोटा चम्मच अदरक बारीक कटा, 1 छोटा चम्मच बारीक कटी हरी मिर्च, 1 छोटा चम्मच जीरा, 1 छोटा चम्मच नींबू का रस, 1/4 छोटा चम्मच बेकिंग पाऊडर, स्वादानुसार नमक और तलने के लिए तेल।

विधि :

मूंग की दाल को 4 घंटे के लिए भिगो दें। पानी निकाल कर ग्राइंड कर लें। भुनी मूंगफली के छिलके उतार कर दरदरी पीस लें। तेल को छोड़ कर शेष सामग्री मिला कर अच्छी तरह से फैंटें। कड़ाही में तेल डालें। तैयार मिश्रण के पकौड़े धीमी आंच पर सुनहरा होने के लिए तलें तथा हरी चटनी के साथ परोसें।

सुखी दांपत्य के मूलाधार

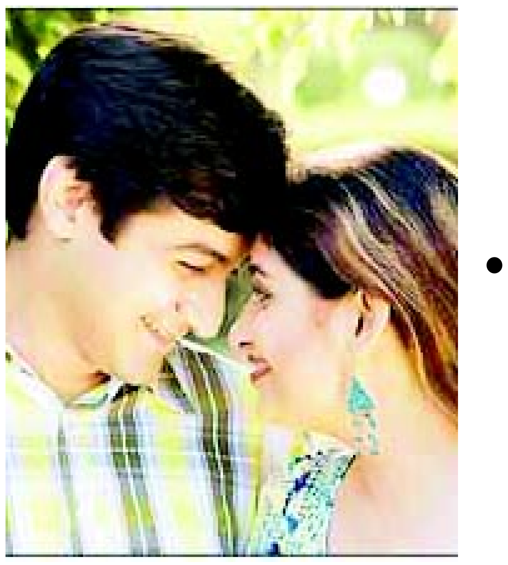

अधिकांश दंपति इस बात से सहमत होंगे कि सुखी वैवाहिक जीवन के लिए समय और शक्ति दोनों लगाने पड़ते हैं।

वैवाहिक जीवन टेढ़ी खीर है, लेकिन सर्वाधिक सुखी दंपति अपने संबंधों के प्रति अलग नजरिया रखते हैं। आइए जानें कैसे-

- वैवाहिक जीवन बस यूँ ही सुखी नहीं हो जाता। एक-दूसरे की इच्छाओं को समझने और जानने के बाद उस अनुसार आचरण भी करना चाहिए। संबंध का अच्छा या बुरा होना इस बात पर निर्भर करता है कि दो लोग एक-दूसरे के प्रति अच्छे या बुरे समय में व्यवहार आखिर कैसा करते हैं?
- **प्रेम मिटता नहीं** : अधिकांश दंपति मन ही मन डरते हैं कि उनके संबंध कहीं जड़ न हो जाएँ। याद रखें कि प्रेम कभी नहीं मरता वह विलुप्त अवश्य लग सकता है और वह भी इसलिए क्योंकि हम इस पर दूसरी भावनाओं का ग्रहण लग जाने देते हैं। वैवाहिक जीवन में गड़बड़ी होने पर दोनों साथियों को बचाव करना चाहिए। जिनके बीच अच्छे संबंध होते हैं वे इस बात को बखूबी समझते हैं कि तूफान के बाद सौहार्द भी लौट आएगा।
- अपने प्रति प्रेम का होना भी रिश्तों में जरूरी है। सबसे सुखी दंपति वे हैं जो अपने वैवाहिक संबंधों को अटूट बनाने के लिए अपने आप से प्रेम करते हैं। आपके संबंध कितने भी घनिष्ठ क्यों न हों? ये मत भूलिए की पहले आप एक व्यक्ति भी हैं।
- प्रेम किसी को बदलने का अधिकार नहीं देता लेकिन फिर भी हम मूर्खतावश इसी बात पर विश्वास करते हैं। हम अपने साथी की कमियों को दूर करने का प्रयास करने लगते हैं। चाहे इस प्रक्रिया में हम उसकी उन खूबियों को ही क्यों न कम कर दें, जिसके कारण वह हमें प्यारा है? सचमुच सुखी दंपति जानते हैं किसी व्यक्ति की बदलने की इच्छा उसके इसी बोध से जाग्रत होती है कि वह जैसा भी है उसी रूप में स्वीकार भी किया जाता है।
- **अंतर्यामी नहीं होते सहचर :** प्रेम से जुड़ा एक भ्रम यह भी है कि हमारा साथी हमारे अंतर को, विचारों को और स्वप्नों को बखूबी समझता है। हमारा साथी जब इस स्थिति को नहीं समझ पाता है तो हमें दु:ख व निराशा का अनुभव होता है। जो लोग यह मानते हैं कि उनका साथी उन्हें समझता या समझती है, वे यह जानते हैं कि अपने आप को समझाने, बताने का दायित्व भी स्वयं उन्हीं पर ही है।
- **अच्छे संबंध समयानुसार परिवर्तनशील :** हममें से अधिकांश यह मानते हैं कि ठोस संबंध-सालों साल यथावत रहते हैं। सच तो ये है कि दांपत्य संबंध अनिवार्य रूप से बदलते हैं। परिवर्तनों का सामना कर वे ही संबंध बचे रहते हैं जो पहले ही इन परिवर्तनों को समझ कर इनका सामना सकारात्मक ढंग से करते हैं।
- **प्रेम दोष नहीं मढ़ता**- विवाह उपरांत हम अक्सर अपने साथी पर दोषारोपण करते हैं कि मैं यदि दुखी हूँ तो सिर्फ तुम्हारे कारण। हमारे दु:खों की जड़ क्या है? ये ढूँढने से उत्तम अपने साथी के कामों में दोष ढूँढना है। जबकि विवाह पूर्व हम दोष-अपने कर्मों पर थोपते हैं। अपने अच्छे-बुरे के लिए अपने आप को जितना अधिक उत्तरदायी समझेंगे उतने ही अधिक सुखी आप और आपका जीवन साथी होंगे।
- **प्रेम निस्वार्थ होता है :** सहज नि:स्वार्थ भाव ही प्रेम का सार होता है। सच्चे प्रेम का आग्रह है कि हम अपनी आवश्यकताओं की अपेक्षा अपने साथी की अपेक्षाएँ पूरी करें बशर्ते उनकी उचित सीमा हो। सबसे उत्तम साथी जीवन में शत-प्रतिशत देते हैं और बदले में शत-प्रतिशत पाते हैं। अंतत: प्रेम का सबसे महत्वपूर्ण सूत्र यह है कि अपने और अपने साथी के प्रति केवल ऐसा व्यवहार करें जिससे आपको अपनी सुपात्रता और ईमानदारी का बोध हो। शादी जैसे मजबूत बंधन को बाँधने के लिए सिर्फ सात फेरे काफी नहीं, बल्कि जीवनपर्यंत मजबूत और ठोस विचारधारा की भी जरूरत है।

हेल्थ प्लस

हेल्मेट पहनों, चोट से बचो

प्रति वर्ष करीब 1 लाख 10 हजार लोग सड़क हादसे का शिकार होकर काल के ग्रास बन रहे हैं जबकि इससे छ: गुना (करीब छ: लाख) लोग गंभीर रूप से घायल होते हैं। सबसे बड़ा दुर्भाग्य यह है कि इनमें 70 फीसद ऐसे लोग होते हैं जो हेल्मेट नहीं पहनने और कार का सीट बेल्ट नहीं लगाने की वजह से दुर्घटना के शिकार होते हैं। 90 फीसद सिर की गंभीर चोट को हेल्मेट पहनकर रोका जा सकता है। एम्स ट्रामा सेंटर में आने वाले अधिकांश दुर्घटनाग्रस्त लोगों के सिर में गंभीर चोटें होती हैं और ऐसा हेल्मेट नहीं पहनने की वजह से होता है।

सिर में चोट के शिकार होने वालों में बड़ी संख्या महिलाओं की है। दिल्ली में मोटरसाइकल पर पुरूषों के लिए हेल्मेट पहनना जहाँ अनिवार्य है, वहीं महिलाओं के लिए ऐसा कानून न होने की वजह से महिलाएँ बेफिक्र होकर मोटरसाइकल पर बैठती हैं। दुर्घटना होने पर पीछे बैठी महिलाएँ सिर की गंभीर चोट की शिकार होती हैं। काफी सारी महिलाएँ मौत के मुँह में समा जाती हैं और जो बचती भी हैं वे लंबे समय तक कोमा में रहती हैं।

यदि महिलाएँ यानी पत्नी, गर्ल फ्रेंड, माँ, बहन जागरूक हो जाएँ तो वे खुद को तो चोट से बचा ही सकती हैं, पुरूषों को भी रैश ड्राइविंग से मना कर सकती हैं। महिलाएँ पुरूषों को यातायात नियमों के उल्लंघन से मना कर सकती हैं और उन्हें हर हालत में बिना हेल्मेट पहने या कार का बेल्ट लगाए बाहर निकलने से रोक सकती हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के आँकड़े दर्शाते हैं कि 2020 तक भारत में होने वाली मौतों में सड़क दुर्घटना एक बड़ा कारक होगा। अनुमान के मुताबिक तब प्रति वर्ष पाँच लाख 46 हजार लोग 14 हजार लोग प्रतिवर्ष इसकी वजह से जिंदगीभर के लिए प्रतिवर्ष इसकी वजह से जिंदगीभर के लिए अपाहिज हो जाएँगे। उनके अनुसार सड़क दुर्घटना में मरने वालों में पैदल यात्रियों, मोटरसाइकल सवारों और साइकल सवारों की संख्या सबसे अधिक है। सच तो यह है कि पूरी दुनिया की सिर्फ एक फीसद गाड़ियॉ भारत में है जबकि दुनियाभर में हो रही सड़क दुर्घटनाओं में से छ: फीसद यहीं हो रही है। इस देश में वर्तमान में प्रतिवर्ष 5 लाख लोग सड़क हादसे के शिकार हो रहे हैं, जिसमें से एक लाख 10 हजार की मौत हो जाती है और 18 लाख 10 हजार की मौत हो जाती है और 18 लाख गंभीर रूप से घायल होते हैं। भारत की सड़कों पर प्रति दो मिनट में एक दुर्घटना घट रही है और प्रति आठ मिनट में एक व्यक्ति की मौत हो रही है। सड़क दुर्घटनाओं के शिकार होने वालों में हेल्मेट न पहनने वाले व कार बेल्ट नहीं बॉधने वाले लोगों की संख्या सबसे अधिक है। दिल्ली जैसे महानगर में भी लोग हेल्मेट पहनते हैं जबकि उन्हें यह सोचने की जरूरत है कि हेल्मेट पहनना उनकी जिंदगी बचाने के लिए जरूरी है।

देशभर में 22.8 फीसद ट्रामा संबंधी मामले सड़क दुर्धटना से जुड़े हैं। बाकी के 77.2 फीसद मामले में सभी कुछ जैसे ऊँचाई से गिरना, कृषि कार्य में अंग का कट जाना, गोली का शिकार होना, आग लगना, पानी में डूबना, प्राकृतिक आपदा, आतंकी हमले आदि शामिल हैं।

पीठ दर्द कारण और निदान

रोजाना के कार्यकलापों में लगातार झुक कर काम करना, कुर्सी का आपकी पीठ के अनुकूल न होना और आगे झुक कर वजन उठाने से भी पीठ दर्द शुरू हो जाता है।

पीठ का दर्द आज के दौर में बहुत आम होता जा रहा है। आजकल हर वर्ग के लोग इसका शिकार पाए जा रहे हैं। शुरूआत में कई लोग तो इसे इतना महत्व नहीं देते पर जब बाद भागते हैं या फिर कई लोगों को तो जानकारी ही नहीं होती कि किसके पास जाना चाहिए और क्या करना चाहिए।

यहां हम आम लोगों को कुछ उपाय बताने का प्रयास करेंगे जिनको पत्ता नहीं होता कि कौन-सी गतिविधि कितनी, कब और कैसे करनी चाहिए ताकि रोजाना की गतिविधियों में ध्यान रख सकें कि कैसे पीठ दर्द से बचा जाए और किन व्यायामों से इसको मजबूत रख सकते हैं।

पीठ दर्द के कुछ मुख्य कारण-

1. पीठ के बल गिरना जैसे किसी दुर्घटना में या फिर खेल के दौरान पीठ में चोट लगना।

2. आर्थराइट्स ओसटियोपरोसिस, ओसटिइयो आर्थराइट्स पीठ दर्द का कारण बन सकती है।

3. रोजाना जिंदगी में शारीरक गतिविधियों का न होना, सिटिंग जॉब और ज्यादा मोटापा ये सभी मिलकर पीठ दर्द का कारण बन जाते हैं।

4. गलत पोस्चर में बैठना, खड़े होना, ज्यादा देर के लिए खड़े रहना भी पीठ दर्द को बढ़ाना देता है।

5. रोजाना के कार्यकलापों में लगातार झुक कर काम करना, कुर्सी का आपकी पीठ के अनुकूल न होना और आगे झुक कर वजन उठाने से भी पीठ दर्द शुरू हो जाता है।

6. डिस्क का स्लिप करना, नर्व पर दबाव, शयाटिका, बढ़ती उम्र सभी सामान्य कारण हैं पीठ दर्द के।

रोजाना दिन में कई बार हम जैसी गतिविधियां करते हैं जिससे डिस्क का दबाव बढ़ जाता है और पीठ दर्द शुरू हो जाता है। यहां कुछ खास टिप्स बता रहे हैं। ताकि आपकी पीठ रोजाना काम करते वक्त भी ठीक रहे।

खड़े होते समय, बैठते समय और भारी वजन उठाते समय किन-किन बातों का ख्याल रखना चाहिए-

खड़े होते समय: ज्यादा देर के लिए खड़े रहने से बचना चाहिए। अगर खड़े होना भी पड़े तो पीठ को सपोर्ट होनी चाहिए और आप एक टांग को ग्राऊंड लैवल से ऊपर रख सकते हैं ताकि एक साइड लोड (वजन) कम हो जाए।

बैठते समय : कभी भी 'लो स्टूल' पर नहीं बैठना चाहिए। बैठते समय घुटनों का लैवल हिप के लैवल से ज्यादा होना चाहिए या फिर आप पैरों के नीचे कोई सपोर्ट एडजस्ट कर सकते हैं।

- ऑफिस में काम करते समय कुर्सी की ऊंचाई मेज के अनुसार एडजस्ट करनी चाहिए ताकि आपकी 'अपर आर्म' रीढ़ के समांतर हो और कोहनियां 90 डिग्री पर होनी चाहिएं।
- लगातार एक स्थिति में बैठने से बचें।
- कोई भी बैठते वाला काम करते समय कोशिश करनी चाहिए कि मेज के पास ही बैठें।

भारी समान उठाते समय

- झुक कर कोई भी भारी चीज नहीं उठानी चाहिए, हमेशा घुटनों को मोड़ करके, कमर सीधी रख कर ही भारी वस्तु उठानी चाहिए। इससे पीठ पर बोझ नहीं आएगा।
- भारी चीज उठाते समय पोस्चर स्थिर होना चाहिए, कोई जर्क नहीं लगानी चाहिए, अपने पैरों को दूर रखना चाहिए ताकि संतुलन बना रह सके।
- भारी वजन, वस्तु उठाते समय, वजन जितना शरीर के पास होगा उतना अच्छा होगा अगर जरूरत पड़े तो जमीन से उठते वक्त घुटनों का इस्तेमाल करना चाहिए।

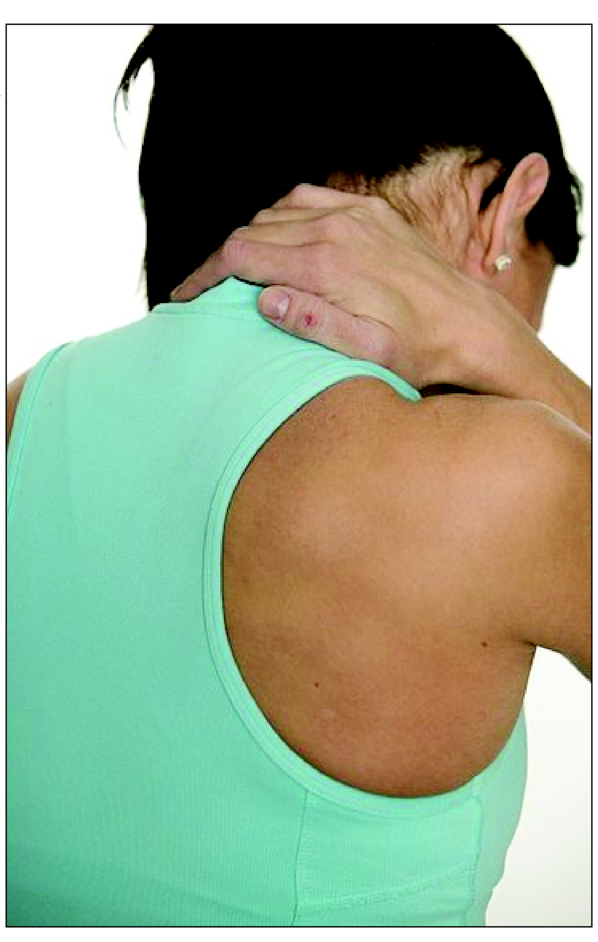

दैनिक कार्यकलापों में परिवर्तन

- सही पोस्चर बनाए रखना चाहिए।
- शरीर के बजन पर नियंत्रण रखना चाहिए
- रोजाना पीठ की और पेट की कसरत किसी योग्य फिजियोथैरेपिस्ट की सलाह से करनी चाहिए।
- सोते समय घुटनों के नीचे एक तकिया जरूर होना चाहिए। इससे पीठ पर सीधा प्रभाव पड़ता है। हमेशा करवट लेकर कोहनियों के बल उठना चाहिए।
- हमेशा आरामदेह जूते विशेषकर फ्लैट शूज या छोटी एड़ी वाले जूते पहनने चाहिए। लम्बा चलने के लिए हमेशा नर्म पैड वाले जूते पहनने चाहिएं।
- सफर करते समय बीच वाली सीट को चुनना चाहिए। आगे और पीछे वाली सीटों का चुनाव करने से संकोच करना चाहिए।
- कम्प्यूटर पर बैठते वक्त सीट को इस तरह एडजस्ट करना चाहिए ताकि आपकी आंखे कम्प्यूटर के मध्य पर कन्संट्रेट करें। कोई भी व्यायाम शुरू करने से पहले किसी योग्य फिजियोथैरेपिस्ट की राय जरूर लेनी चाहिए क्योंकि हर एक के लिए एक्सरसाइज ग्रेडिंग अलग-अलग होती हैं।

ऊपर सभी बताई बातें अगर ध्यान में रखेंगे तो कभी भी रूटीन में पीठ दर्द की समस्या नहीं आएगी।

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

सलमान खान की याचिका कोर्ट ने की खारिज, कहा-पनवेल फार्म हाउस पड़ोसी केतन के पास एक्टर के खिलाफ सबूत हैं

सलमान खान अपने मुंबई के पनवेल फार्म हाउस के एनआरआई पड़ोसी केतन कक्कड़ के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करने के बाद अब मुश्किल में फंसते नजर आ रहे हैं। मुंबई के सिविल कोर्ट का माना है कि केतन कक्कड़ ने जमीन को लेकर सलमान के खिलाफ जो आरोप लगाए थे, वो वास्तव में सही थे। दूसरी तरफ, सलमान ने दावा किया था कि ये आरोप उन पर बदनाम करने के लिए लगाए गए थे। कोर्ट ने अब अपना आदेश केतन की तरफ से दिए गए दस्तावेजी सबूतों पर आधारित दिया है। जिसमें दिखाया गया था कि सलमान ने उन्हें अपनी जमीन पर आने से रोक दिया था।

मुंबई सेशन कोर्ट के जज ए.एच. लद्दाद ने कहा, ''मेरा विचार है कि खान सहज रूप से ये समझाने में विफल रहे कि ये उनसे कैसे संबंधित है और कक्कड़ ने जस्टिफिकेशन के लिए याचिका दायर की, जिसे प्राथमिक दृष्टि से डॉक्यूमेंट्री एविडेंस सपोर्ट कर रहे हैं।'' इसी के साथ कोर्ट ने निषेधाज्ञा आवेदन को खारिज कर दिया, जो सलमान अपने पड़ोसी केतन कक्कड़ के खिलाफ मांग रहे थे।

आदेश में आगे कहा गया है कि खान द्वारा कक्कड़ को अपनी जमीन पर आने से रोकने के आरोपों को प्रमाणित करने के लिए दस्तावेजी सबूत हैं। कोर्ट ने पिछले हफ्ते आदेश पारित किया था, लेकिन अब आदेश उपलब्ध कराया गया है। सलमान खान ने मांग की थी कि केस की सुनवाई और अंतिम फैसले तक कक्कड़ और अन्य लोगों के खिलाफ एक आदेश पारित करना चाहिए कि वो कुछ भी अपमानजनक पोस्ट न करें, या बयानबाजी न करें। उन्होंने कहा था कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप झूठे और दुर्भावनापूर्ण हैं। क्योंकि यह सभी झूठे आरोप उन्हें बदनाम करने के लिए लगाए गए हैं और उनमें बिल्कुल भी सच्चाई नहीं है।

केतन की जमीन यूज करते थे एक्टर

केतन कक्कड़ के वकीलों का कहना है कि सलमान खान के पनवेल फार्महाउस के पास ही है, जिसे एक्टर ने लोहे के गेट से ब्लॉक किया जा रहा है। जब केतन रिटायर होने के बाद इंडिया वापस आए तो सलमान खान और उनकी फैमिली की वजह से अपनी जमीन का सही इस्तेमाल नहीं कर पाए। केतन के वकील ने यह भी कहा कि सलमान पहले कक्कड़ को बातचीत करने के लिए इनवाइट करते थे और बदले में उनकी जमीन का इस्तेमाल करते थे। वो कक्कड़ की जमीन पर जॉगिंग करते थे और मछलियां पकड़ते थे। हालांकि, जब कक्कड़ इंडिया आ गए हैं, तो अब सब कुछ बदल गया है।

विल स्मिथ कंट्रोवर्सी के बाद समीरा रेड्डी ने बताया- मैं भी जाडा पिंकेट की तरह एलोपीशिया एरीटा बीमारी से जूझ चुकी हूं

'ऑस्कर अवॉर्ड 2022' सेरेमनी में पॉपुलर एक्टर विल स्मिथ ने स्टेज पर जाकर प्रेजेंटर क्रिस रॉक को जोरदार तमाचा जड़ दिया था, क्योंकि क्रिस ने विल की पत्नी जाडा पिंकेट स्मिथ के गंजेपन का मजाक उड़ाया था। दरअसल जेड एलोपीशिया एरीटा नाम की एक बीमारी से जूझ रही हैं, जिसकी वजह से गंजापन होने लगता है। अब इस कंट्रोवर्सी के बाद हाल ही में बॉलीवुड एक्ट्रेस समीरा रेड्डी ने सोशल मीडिया के जरिए खुलासा किया कि वो भी इस बीमारी से जूझ चुकी हैं।

समीरा ने अपनी एक फोटो शेयर करते हुए लिखा, ''हाल में हुए ऑस्कर कंट्रोवर्सी ने मुझे मेरी हेयर लॉस बेटल के बारे में बताने के लिए मजबूर कर दिया। हम सभी की लाइफ में कई तरह की चुनौतियां होती हैं और हम इससे लड़ रहे होते हैं। बस हमें इससे पॉजिटिव चीजें हील करने की जरूरत होती हैं।

क्या होता है एलोपीशिया एरीटा? यह एक तरह की ऑटो इम्यून डिजीज होती है।

जब आपको एलोपीशिया एरीटा होता है, तब ये आपके बालों को नुकसान पहुंचाती है। इस बीमारी में बाल तेजी से गिरने लगते हैं और गंजापन होने लगता है। मुझे 2016 में यह डायग्नोज हुआ जब अक्षय ने देखा था कि एक महीने में दो जगह मेरे बालों के बीच खालीपन के पेचेस बनने लगे। इस बीमारी के साथ डील करना काफी मुश्किल हो जाता है। एरीटा बीमारी लोगों को बीमार नहीं करती है और न ही यह किसी तरह का संक्रामक है। लेकिन इमोशनली ये इंसान को तोड़ देती है। मैंने इस बीमारी की होम्योपैथी दवाई ली थी। उस दौरान डॉक्टर ने मुझे बताया था कि इस स्थिति में बाल वापस उग सकते हैं। लेकिन मैं जानती थी कि इसका कोई इलाज नहीं है और न ही कोई वजह है कि आखिर क्यों ये बीमारी होती है। फिलहाल मेरे बाल ठीक हैं और मैं खुशनसीब हूं कि मेरे बाल वापस आ गए।''

4 बच्चों के पिता सैफ अली खान को वाइफ करीना कपूर ने दी चेतावनी, बोलीं-अब 60 साल की उम्र में अब्बा बनने की मत सोचना

सैफ अली खान 4 बच्चों के पिता हैं। अमृता सिंह यानी पहली शादी 2 बच्चे और दूसरी शादी से 2 बच्चे हैं। अब हाल ही एक इंटरव्यू में करीना ने कहा कि सैफ जब से अडल्ट हुए हैं उनके हर दशक में बच्चे हुए हैं। इसीलिए मैंने उनसे कह दिया है कि अब 60 की उम्र में नए बच्चे की प्लानिंग मत करना। बता दें सैफ 50 साल की उम्र में जेह के पिता बने हैं।

इसके साथ ही इंटरव्यू में उन्होंने को पैरेंटिंग पर भी बात की है।

इंटरव्यू में करीना ने कहा, सैफ का हर दशक में एक बच्चा हुआ 20, 30, 40 और 50। मैंने उनसे कह दिया है कि अब 60 में ऐसा नहीं होने वाला है। मुझे लगता है कि सैफ जैसा ब्रॉड मांइडेड इंसान ही हर अलग स्टेज पर 4बच्चों का पिता बन सकता है। वह अपना समय हर बच्चे को देते हैं। हम जेह के साथ बैलेंस रखने की कोशिश कर रहे हैं। हम दोनों ने मिलकर एक समझौता भी किया है, जब सैफ अपने शूट में बिजी होंगे तो उस समय मैं घर में रह कर बच्चों का ख्याल रखूगीं।

अब्बा मेरे बेस्ट फ्रेंड हैं

करीना ने आगे कहा, सैफ और तैमूर की बॉन्डिंग भी बहुत अच्छी है। तैमूर को लोग पसंद हैं। अगर घर पर लोग हैं तो वह तुरंत घुलने-मिलने की कोशिश करता है। वह मिनी सैफ है, रॉक स्टार बनना चाहता है। दोनों की जबरदस्त बॉन्डिंग है। टिम यानी तैमूर बोलता है, अब्बा ही मेरे बेस्ट फ्रेंड हैं।

हॉलीवुड स्टार ब्रूस विलिस ने एक्टिंग करियर छोड़ा, एक्टर एफासिया बीमारी से हैं ग्रसित

हॉलीवुड स्टार और एक्शन हीरो ब्रूस विलिस ने अपने एक्टिंग करियर से सन्यास ले लिया है। एक्टर एफासिया नाम की बीमारी से ग्रसित हैं, इसीलिए उन्होंने एक्टिंग से सन्यास लिया है। इस बात की जानकारी सोशल मीडिया के जरिए पोस्ट शेयर कर ब्रूस के परिवार ने दी है।

परिवार ने पोस्ट शेयर कर दी जानकारी

परिवार ने पोस्ट शेयर कर लिखा, ब्रूस के फैंस के लिए हम आपसे कुछ शेयर करना चाहते हैं। हमारे प्रिय ब्रूस कुछ हेल्थ इश्यू का सामना कर रहे हैं। हाल ही ब्रूस एफासिया नाम की बीमारी से ग्रसित हुए हैं, जो उनकी समझने की शक्ति को प्रभावित कर रहा है। इसके चलते और बहुत विचार करने के बाद ब्रूस ने यह फैसला लिया है कि वह अपने एक्टिंग करियर से दूर जा रहे हैं।

हालांकि ब्रूस के लिए उनका करियर बहुत मायने रखता है। वास्तव में परिवार के लिए यह एक बहुत ही मुश्किल समय है। हम आपके प्यार और सपोर्ट के लिए बहुत आभारी हैं। पूरा परिवार इस मुश्किल समय में और मजबूत होने की कोशिश कर रहा है। हम आपको यह इसीलिए बता रहे हैं क्योंकि ब्रूस आपके लिए बहुत मायने रखता है।

4 दशक का करियर और 2 एमी अवॉर्ड

ब्रूस विलिस ने अपने करियर की शुरूआत साल 1980 से की थी। उन्होंने कई फिल्मों में काम किया जिनमें लेकिन उन्हें पहचान 1988 में आई जॉन मैक्लैन की फिल्म डाई हार्ड से मिली। यह फिल्म विलिस की पहली बड़ी फ्रेंचाइजी बनीं। ब्रूस ने हॉलीवुड की फेमस सीरीज फ्रेंड्स में भी गेस्ट एपीरिएंस दिया था। अपने 4 दशक के करियर में ब्रूस को दो एमी अवार्ड मिले हैं।

एलईडी कंपनी खोलने के नाम पर एक्ट्रेस रिमी सेन को लगा 4.4 करोड़ का चूना

बॉलीवुड एक्ट्रेस रिमी सेन संग धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। एक्ट्रेस ने 4.40 करोड़ रुपए की ठगी का आरोप लगाते हुए मुंबई के एक बिजनेसमैन के खिलाफ खार पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और एक्ट्रेस का बयान दर्ज कर सकती है।

अपनी लिखित शिकायत में रिमी सेन ने कहा कि वह आरोपी बिजनेसमैन जतिन व्यास से अंधेरी में गोरेगाव के एक जिम में मिली थीं। तीन साल पहले दोनों की मुलाकात हुई थी। महीने भर में ही दोनों की अच्छी दोस्ती हो गई। वह एक एलईडी लाइट कंपनी खोलना चाहता था। जब उसने अपना प्लान रिमी सेन को सुनाया तो बाद में उसने रिमी को इंवेस्ट करने का ऑफर दिया और वादा किया कि मुनाफा होने पर वह रिमी को 40% रिटर्न देगा।

रिमी सेन ने उस शख्स की कंपनी पर पैसा लगा दिया। दोनों के बीच पार एग्रीमेंट भी हुआ था। हालांकि, एक्ट्रेस का कहना है कि उनके साथ धोकाधड़ी हुई और उनके पैसे वापस नहीं मिले। इसके बाद खार पुलिस ने जतिन नाम के शख्स के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। जतिन पर आईपीसी की धारा 420 और 409 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल आरोपी गायब है।

लॉफिंग ज़ोन

अध्यापक (शैतान छात्र से), ''मैं नालायक को लायक नहीं बना सकता।''
छात्र, ''लेकिन मैं बना सकता हूं।''
अध्यापक, ''वह कैसे?''
छात्र, ''सिर्फ ना हटा कर।''

☺ ☺ ☺

एक व्यक्ति (दूसरे से), ''मेरे प्रश्न का उत्तर दीजिए।''
दूसरा, ''जी कहिए।''
पहला, ''मेरी ऊंचाई छः फुट है, जिस सड़क पर मैं चल रहा हूं, वह दस मील लम्बी है। मैं एक घंटे में एक मील चल सकता हूं। मेरी उम्र क्या होगी?''
दूसरा, ''यही पचास वर्ष।''
पहला, ''अरे, वाह बिल्कुल ठीक है लेकिन आपको पता कैसे चला?''
दूसरा, ''असल में हमारी गली में एक आदमी रहता है। वह ठीक ऐसी ही बातें करता है। आधा पागल है और उसकी उम्र पच्चीस वर्ष की है।''

☺ ☺ ☺

अमन (बंटी से), ''प्यारे, अगर मुझे कपिल, सचिन, सौरभ, गावस्कर जैसे बल्लेबाज मिल जाएं तो मैं हर मैच जीत कर दिखा सकता हूं।''
बंटी, ''प्यारे मुझे अगर पाकिस्तान के एम्पायर मिल जाएं तो मैं हर मैच जीत कर दिखा दूंगा।''

स...स...सन्नाटेदार

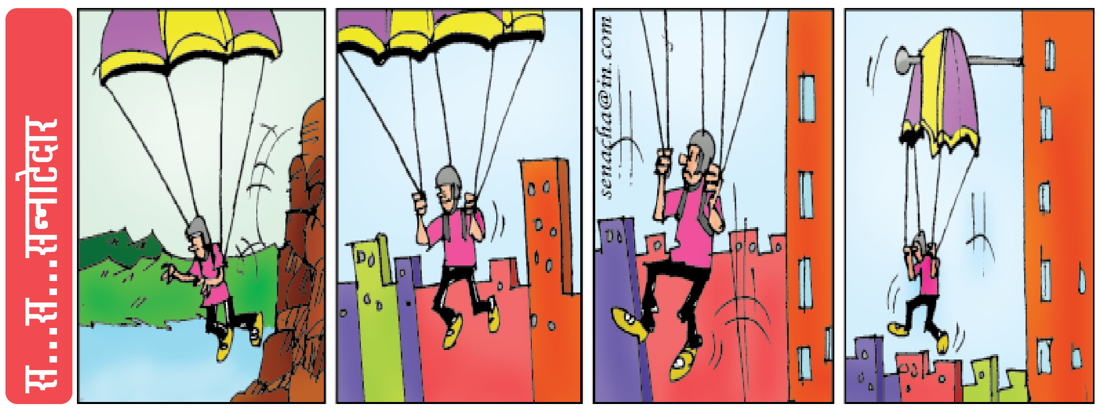

अष्टयोग-4799

	7		5	1	6	
	33	1	25		31	
1		6		3		5
5	39		31	6	34	
	7		3			1
2	36	7	36	7	30	2
	1	3		4		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 4798 का हल

7	3	2	4	1	6	5
3	30	1	24	2	30	6
6	5	3	4	7	1	2
5	35	6	37	3	29	1
4	1	5	3	6	2	7
2	31	7	40	4	33	4
1	7	4	6	5	2	3

सूडोकु नवताल- 4799

★★★★★ कठिनतम

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -4798 का हल

3	6	8	5	9	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	2	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

काकुरो पहेली - 4799

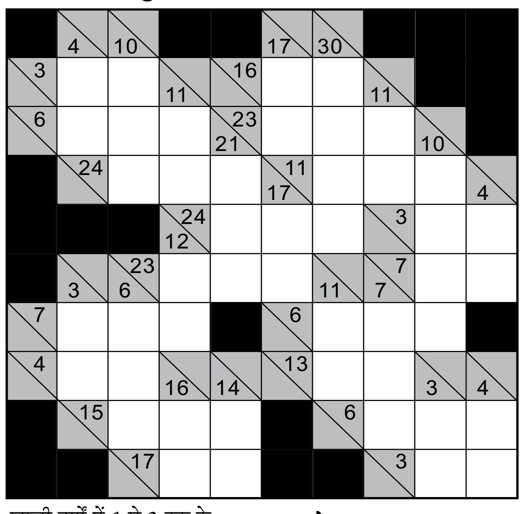

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

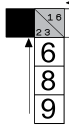

5 + 6 + 7+ 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7+ 8 + 9 = 34
5 + 7+ 8 + 9 = 29
6 + 7+ 8 + 9 = 30

काकुरो - 4798 का हल

MANGAL SENCHA,P.B.NO.3909, BANGALORE-39

शब्द पहेली -4799

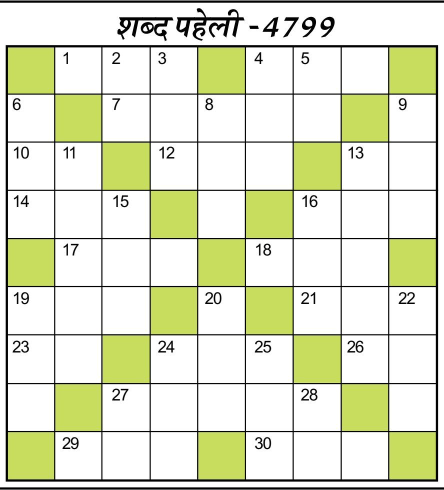

बाएँ से दाएँ

1. मतभेद-3
4. शक्ति-3
7. निर्भरता-5
10. नृत्य-2
12. पहरा, रक्षक-3
13. देवता-2
14. रूकना-3
16. आमदनी-3
17. अनुबंध-3
18. दौड़ना -3
19. ढंग-3
21. परंतु-3
23. गाली-2
24. फुलवारी-3
26. 480 कागजों की गडी-2
27. अनिल कपूर, जैकी श्राफ की एक फिल्म-2,3
29. घात करने वाला-3
30. लंकेश, लंकापति-3

ऊपर से नीचे

2. वचन, इकरार-2
3. मस्जिद, खुदा का घर-3
4. संख्या-3
5. हाथ-2
6. बिना माँ-बाप का-3
8. मृत्यु-3
9. नाव चलाने वाला-3
11. चमकवाला-5
13. हिंदी, संस्कृत, मराठी आदि भाषाओं की लिपी-5
15. अप्रसन्न-3
16. उत्पत्ति-3
19. आग, चिंगारी-3
20. विशुद्ध, स्वच्छ-3
22. सुंदर स्त्री-3
24. कांति-3
25. दिखावटी इनकार-3
27. रात्रि-2
28. नया, नौ-2

शब्द पहेली -4798 का हल

रू	स		ति	ल	क		प्रे	म
प	ह	ल		घु	स	ना		ध्य
	न	ह	र		म	म	ता	
म		जा	न	की		क	री	म
ग	म		र	म	ता		ख	र
र	ट	ना		त	रा	श		ण
	का	य	र		जू	ठ	न	
दु		र	क्षि	क		ता	ज	गी
म	द		त	ब	ला		र	त

■ मंगल सैणचा, बेंगलोर

शब्दजाल - 4799

सा	म	मा	यु	वा	प	ना	न	ह	क	रा
हा	थि	सू	ह	का	ल	जी	स	ल	का	ज
रो	वी	या	द	अं	ल	त	र	म	ल	टी.
ड़	र	दा	ज	ल	क	न	ओ	र	सु	म
र	न	क	ष	ल	म	मी	छ	हो	नो	स्ती
प	मी	क्शा	स	जि	स्वा	क	प	म	स	क
के	ह	बु	की	टी	म	मी	टे	डि	रू	प
न	पू	सु	पा	क	पं.	सौ	ल	ली	र	स
कं	प	नी	सू	ह	प	ने	ने	व	जी	त
म	व	म	ब	फा	दी	र	ह	री	क	थ
म	ह	न	प्या	रे	मो	ह	न	ज	ल	वा

शब्दजाल में विवेक ओबराय की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

नक्शा, रोड़, साथिया, कंपनी, युवा, ओमकारा, मस्ती, प्यारे मोहन, होम डिलीवरी, काल,

शब्दजाल - 4798 का हल

अ	गो	र	कु	छ	तो	है	म	ला	नी	क्या
न	ल	क	ज	इं	डो	ने	ह	क	जी	कु
बं	मा	आ	ट	म	न	इ	व	न	ना	ल
दी	ल	ल	मा	ज	ल	स	रा	प	सि	है
औ	मु	झे	कु	छ	क	ह	ना	है	फ़	ह
गा	जे	कि	र	य	द	का	म	ल	मे	म
य	मा	दे	श	व	ह	स	त	पी	रे	दी
ब	दे	क	र्त	न	प	दि	खा	की	लि	श
ली	दि	ल	क	ले	दा	र	ल	क	ए	दे
क्षि	ज	ति	त	हि	द	ह	मा	ह	ल	र
ते	रा	जा	क्या	दि	ल	ने	क	हा	र	म

मंगल सैणचा, बेंगलोर.

फिल्म वर्ग पहेली- 4799

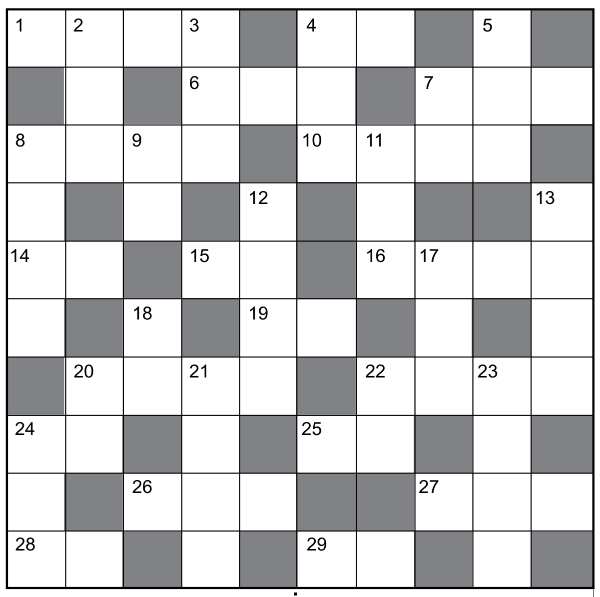

बायें से दायें:-

1. सैफ, चंद्रचूड़, प्रीति की 'इसे खेल ना समझो' गीत वाली फिल्म-1,3
4. 'एक लड़की जिसके' गीत वाली संजय दत्त, जैकी, रवीना की फिल्म-2
6. गोविंदा, रवीना टंडन की 'सासूजी थारो लल्ला' गीत वाली फिल्म-3
7. 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान की माँ की भूमिका किसने की थी-3
8. ऋषि कपूर, जूही चावला वाली फिल्म 'दरार' में सहनायक कौन था-4
10. 'रंग दे रंग दे' गीत वाली फिल्म 'तक्षक' के संगीत निर्देशक कौन हैं-4
14. राजकुमार, जीतेंद्र की फिल्म 'मेरे हुजूर' की नायिका कौन थी-2
15. 'दिल है तुम्हारा' में अर्जुन रामपाल के किरदार का क्या नाम है-2
16. राजेंद्रकुमार, बी. सरोजादेवी की 'जाना तुम्हारे प्यार में' गीत वाली फिल्म-4
19. 'इस टूटे दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-2
20. अक्षयकुमार, करिश्मा की 'माथे पे चमके इसके' गीत वाली फिल्म-4
22. 'सोला किये थे' गीत वाली मिथुन, शिल्पा शिरोडकर की फिल्म-4
24. आमिर खान, माधुरी की 'मुझे नींद न आये' गीत वाली फिल्म-2
25. नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, कुमार गौरव, जावेद, जूही की फिल्म-2
26. राजकपूर, दिलीपकुमार की 'उठाये जा उनके' गीत वाली फिल्म-3
27. 'ओ मेरे सनम ओ मेरे सनम' गीत वाली फिल्म-3
28. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'जिसके सपने हमें रोज' गीत वाली फिल्म-2
29. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

2. आफताब, लिसा रे की 'कितना बेचैन हो के' गीत वाली फिल्म-3
3. 'तेरे बिना मैं कुछ' गीत वाली मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-3
4. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'यारी है ईमान मेरा' गीत वाली फिल्म-3
5. 'बोल गोरी बोल तेरा कौन पिया' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-3
7. फिल्म 'रजिया सुल्तान' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-2
8. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मीत ना मिला रे मन का' गीत वाली फिल्म-4
9. संजय दत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-2
11. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-3
12. राजेश खन्ना, शबाना की 'चलो बुलावा आया है' गीत वाली फिल्म-4
13. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-4
17. अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की 'शाबा ये नखरा' गीत वाली फिल्म-3
18. 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-2
20. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-2
21. 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-4
22. आयशा, दिव्या भारती, कमल सदाना की 'तेरी मुहब्बत' गीत वाली फिल्म-2
23. 'ये काली काली आँखें' गीत वाली फिल्म-4
24. सनी, बॉबी, उर्मिला की फिल्म-3

फिल्म वर्ग पहेली- 4798 का हल

गु	रू		खा	मो	शी		आ	स	रा
रू		फ	न		बा	द	शा	ह	
दे	वी		दा	ग		स्त		र	न
व	र	दा	न		म	क	ड़ी		ती
	ता			फॉ	सी			रा	जा
आ		स	जा		हा	र	जी	त	
शि	का	र		आ		क्ष		औ	
क		ग	ब	न		क	ह	र	
	धू	म		बा	जी			दि	ल
पा	प		जी	न	त		डॉ	न	

■ मंगल सैणचा, बेंगलोर